मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 214
बुधवार, 18 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मिलकर ऐसा हेलिकॉप्टर बनाएंगे जो माउंट एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक उड़ेगा, मैक्रों के साथ पीएम मोदी का ऐलान

मुंबई, 17 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस को भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक बताते हुए मंगलवार को कहा कि इस विश्वास को आगे बढाने के लिए दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का निर्णय लिया है जिसके तहत दोनों देशों की साझेदारी में भारत में हेलिकॉप्टर इकाई का उद्घाटन किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस ने लोगों और कंपनियों को दोहरे कराधान से बचाने के लिए भी समझौता किया है। इसके साथ ही भारत-फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई सेंटर और डिजिटल विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र की शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-फ्रांस एरोनॉटिक्स क्षेत्र में कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र भी शुरू करेंगे। उन्होंने दुनिया में अनिश्चिता के दौर में भारत-फ्रांस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता के लिए एक ताकत बताया। मोदी ने यहां फ्रांस के राष्ट्रपति एनैमुअल मैक्रों के साथ शिष्टमंडल स्तर और द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में ये घोषणाएं की।

प्रधानमंत्री ने कहा ,' भारत और फ्रांस के संबंध बहुत ही विशेष हैं। फ्रांस भारत के सबसे पुराने साझेदारों में से एक है और राष्ट्रपति मैक्रों के साथ मिलकर हमने इस रणनीतिक साझेदारी को अभूतपूर्व गहराई और ऊर्जा दी है।' उन्होंने कहा कि इसी विश्वास और साझा विजन के आधार पर दोनों देश अपने संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के रूप में स्थापित कर रहे हैं। दोनों देशों की साझेदारी में भारत में हेलिकॉप्टर इकाई के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , ' हमें गर्व है कि, भारत और फ्रांस मिलकर, माउंट एवरेस्ट की ऊँचाइयों तक उड़ान भरने वाला, विश्व का एकमात्र हेलिकॉप्टर भारत में बनाएंगे और पूरे विश्व को निर्यात करेंगे यानि भारत और फ्रांस के बीच साझेदारी की कोई सीमा नहीं है यह महासागर की गहराई से लेकर उंची चोटी तक पहुंच सकती है।' उन्होंने कहा कि यह वर्ष भारत और यूरोप के संबंधों में एक निर्णायक मोड़ है और इस वर्ष हमने यूरोपीय संघ के साथ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौता किया। उन्होंने कहा कि आपसी निवेश को बढावा देने के लिए आज हम समझौता कर रहे हैं जिससे हमारे लोगों और कंपनियों को दोहरा कर न देना पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सभी पहलों से निवेश, व्यापार तथा आवागमन को नयी ऊर्जा मिलेगी और यही साझा समृद्धि का रोडमैप है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भारत-फ्रांस स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई सेंटर और डिजिटल विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र की शुरूआत करेंगे साथ ही भारत-फ्रांस एरोनॉटिक्स क्षेत्र में कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र भी शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ये मात्र संस्थान नहीं हैं ये भविष्य का निर्माण करने वाले प्लेटफार्म हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनिश्चतता के इस दौर में भारत-फ्रांस साझेदारी वैश्विक स्थिरता के लिए एक ताकत है।

एसआईआर में गड़बड़ी पर चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई, बंगाल के 7 अधिकारी सस्पेंड

कोलकता, 17 फरवरी। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में अनियमितताओं के अनेक आरोपों के मद्देनजर सात एईआरओ (सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी) को निलंबित कर दिया। कैनिंग पुरबा से दो और सूती, मैनागुरी, शमशेरगंज, देबरा और फरक्का निर्वाचन क्षेत्रों से एक-एक अधिकारी निलंबित किए गए हैं। आयोग ने संबंधित कैडर नियंत्रण प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि निलंबित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही तत्काल शुरू की जाए और इस संबंध में आयोग को सूचित किया जाए। इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव को पत्र भेजा गया है। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एसआईआर प्रक्रिया में शामिल इन अधिकारियों द्वारा गंभीर कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा और वैधानिक अधिकार के दुरुपयोग के साक्ष्य मिले हैं।

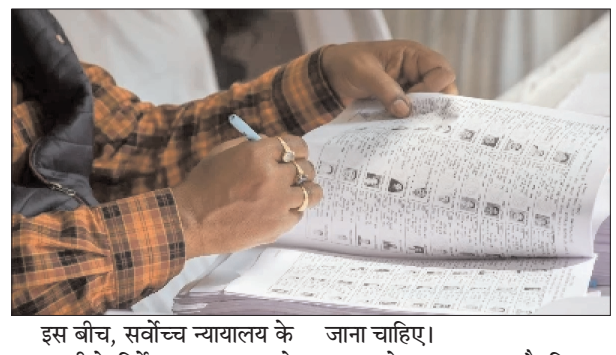

इस बीच, सर्वोच्च न्यायालय के 9 फरवरी के निर्देश का पालन करते हुए, चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित सभी फॉर्म-7 आपत्तियों के निपटान के संबंध में एक सख्त संदेश जारी किया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे एक अलग पत्र में कहा गया है कि सभी प्रस्तुत फॉर्म-7 को तुरंत संबंधित ईआरओ और एईआरओ को भेजा जाना चाहिए और प्रत्येक आपत्ति का निपटारा कानून के अनुसार सख्ती से किया जाना चाहिए।

आयोग का कहना है कि इन अधिकारियों के खिलाफ लिया गया ऐक्शन वोटर लिस्ट को शुद्ध बनाने के लिए किया गया। चूंकि, जांच में पाया गया कि यह अधिकारी कथित रूप से नियमों के खिलाफ जाकर काम कर रहे थे, इसलिए यह कार्रवाई हुई। सूत्रों का कहना है कि अभी कुछ और अधिकारी आयोग के रेडार पर है, जिनके खिलाफ आने वाले दिनों में सस्पेंड करने जैसी कार्रवाई की जा सकती है।

राहुल गांधी को कर्नाटक हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, 'करप्शन रेट कार्ड' मानहानि केस किया रद्द

कर्नाटक, 17 फरवरी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक बड़ी राहत देते हुए भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई द्वारा दायर मानहानि की शिकायत को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस. सुनील दत्त यादव की एकल पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा जारी समन और पूरी कार्यवाही को चुनौती दी थी।

यह विवाद 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान शुरू हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार पर '40% कमीशन' का आरोप लगाते हुए प्रमुख अखबारों में 'करप्शन रेट कार्ड' (भ्रष्टाचार की दर सूची) विज्ञापन प्रकाशित किए थे। भाजपा ने इसे मानहानि बताते हुए राहुल

गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

अदालत ने फैसले का मुख्य हिस्सा सुनाते हुए स्पष्ट किया कि राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में कार्यवाही को जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। राहुल गांधी के वकीलों ने दलील दी थी कि विज्ञापन पार्टी द्वारा जारी किया गया था और राहुल गांधी का इसे सोशल मीडिया पर साझा करना मानहानि की श्रेणी में नहीं आता, क्योंकि वे उस समय किसी आधिकारिक पार्टी पद पर नहीं थे और न ही इसमें उनकी सीधी भूमिका थी। इससे पहले निचली अदालत ने उन्हें पेशी से स्थायी छूट दी थी, लेकिन अब हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद यह मामला पूरी तरह खत्म हो गया है।

विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान भारत के पासः मोहन भागवत

लखनऊ, 17 फरवरी। यूजीसी के समता संवर्धन कानून को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि कानून सभी को मानना चाहिए। यदि कानून गलत है तो बदलने का उपाय भी है। जातियां झगड़े का कारण नहीं बनना चाहिए। समाज में अपनेपन का भाव होगा तो इस तरह की समस्या नहीं होगी।

मंगलवार को लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में सामाजिक सद्भाव बैठक में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि जो नीचे गिरे हैं, उन्हें झुक कर ऊपर उठाना पड़ेगा। सभी अपने हैं, यह भाव मन में होना चाहिए। संघर्ष से नहीं, समन्वय से दुनिया आगे बढ़ती है। एक को दबाकर दूसरे को खड़ा करने का भाव नहीं होना चाहिए। डॉ. मोहन

भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को संगठित और. सशक्त होने की आवश्यकता है। हमको किसी से खतरा नहीं है, लेकिन सावधान रहना है।

हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए उन्होंने लालच और जबरदस्ती हो रहे मतांतरण पर रोक लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि घर वापसी का काम तेज होना चाहिए। जो लोग हिंदू धर्म में लौटें, उनका ध्यान भी हमें रखना होगा। बढ़ती घुसपैठ पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करना होगा। उन्हें रोजगार नहीं देना है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। वैज्ञानिकों के हवाले से उन्होंने कहा कि जिस समाज में औसतन तीन से कम बच्चे होते हैं, वह समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है। यह बात हमारे परिवारों में नव दंपतियों को बताई जानी चाहिए।सर संघचालक ने कहा कि विवाह का उद्देश्य सृष्टि आगे चले, यह होना चाहिए, वासना पूर्ति नहीं। इसी भावना से कर्तव्य बोध आता है। उन्होंने कहा कि सद्भाव न रहने से भेदभाव होता है। हम सभी एक देश, एक मातृभूमि के पुत्र हैं। मनुष्य होने के नाते हम सब एक हैं। एक समय भेद नहीं था, लेकिन समय चक्र के चलते भेदभाव की आदत पड़ गई है, जिसे दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन विचारधारा सद्भाव की विचारधारा है। उन्होंने कहा कि जो विरोधी हैं, उन्हें मिटाना है, ऐसा हम नहीं मानते। एक ही सत्य सर्वत्र है। इस दर्शन को समझ कर आचरण में लाने से भेदभाव समाप्त होगा। सरसंघचालक ने कहा कि घर-परिवार का आधार मातृशक्ति है। हमारी परंपरा में कमाई का अधिकार पुरुषों को था, लेकिन खर्च कैसे हो, यह मातायें तय करती थी। मातृशक्ति विवाह के बाद दूसरे घर में आकर सभी को अपना बना लेती है। पश्चिम में महिलाओं का स्तर पत्नी से है, हमारे यहां उन्हें माता माना जाता है। उनका सौंदर्य नहीं, वात्सल्य देखा जाता है।डॉ. भागवत ने कहा कि भारत निकट भविष्य में विश्व को मार्गदर्शन देगा। विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान भारत के पास ही है। उन्होंने समाज की सज्जन शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि बस्ती स्तर पर सामाजिक सद्भाव से जुड़ी बैठकें नियमित होनी चाहिए। हम आपस में मिलेंगे तो गलतफहमियां दूर होंगी। इस प्रकार की बैठकों में रूढ़ियों से मुक्त होने पर चर्चा होनी चाहिए। जो समस्याएं सामने आएं, उनको दूर करने का प्रयास होना चाहिए। जो दुर्बल है, उनकी सहायता करना चाहिए। सर संघचालक ने कहा कि अमेरिका और चीन जैसे देशों में बैठे कुछ लोग हमारी सद्भावना के विरुद्ध योजना बना रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 17 फरवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को एआई शिखर सम्मेलन के कथित कुप्रबंधन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि भारत के लिए एक शानदार आयोजन बन सकने वाला यह कार्यक्रम पूरी तरह से अराजकता में तब्दील हो गया। खर्गे ने कहा कि भोजन और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण आगंतुकों और प्रदर्शकों दोनों को ही अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

एक्स पर एक पोस्ट में, खरगे ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन, जिससे भारत की डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमताओं को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने की उम्मीद थी, कथित तौर पर बड़े पैमाने पर कुप्रबंधन का शिकार हुआ। खरगे ने कहा कि भारत की डिजिटल और एआई क्षमताओं को प्रदर्शित करने

वाला, पूरी दुनिया के लिए एक शानदार एआई शिखर सम्मेलन बन सकने वाला यह कार्यक्रम, कथित तौर पर इस 'पीआर के भूखे' सरकार द्वारा पूरी तरह से अराजकता और घोर कुप्रबंधन में तब्दील हो गया है!

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे आरोप लगाया कि आयोजन के दौरान की गई व्यवस्थाओं के कारण संस्थापकों, प्रदर्शकों और आगंतुकों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शकों को भोजन और पानी नहीं मिला और उत्पाद चोरी की घटनाएं भी हुईं। खरगे ने यह भी आरोप लगाया कि पहले दिन प्रधानमंत्री की उपस्थिति से व्यवधान उत्पन्न हुआ, और कहा कि प्रधानमंत्री फोटो खिंचवाने के लिए बिना बुलाए ही कार्यक्रम में आ गए।

जम्मू की जेल से फरार पाकिस्तानी कैदी अंबाला से गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर। अंबाला और STF हरियाणा को बड़ी सफलता मिली है। जम्मू-कश्मीर के आर.एस. पुरा क्षेत्र स्थित जुवेनाइल होम से फायरिंग कर फरार हुए दो आतंकियों को STF हरियाणा ने अंबाला रेलवे स्टेशन परिसर से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी साझा करते हुए SP STF विक्रांत भूषण ने बताया कि आर.एस. पुरा जुवेनाइल होम से कुल तीन आतंकी फरार हुए थे। इनमें दो पाकिस्तानी नागरिक और एक भारतीय नागरिक शामिल था। STF अंबाला ने दोनों पाकिस्तानी आतंकियों को स्टेशन परिसर से दबोचकर जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

छत्रपति शिवाजी की अमर विरासत और आधुनिक भारत की दिशा

-ललित गर्ग

19 फरवरी भारत के इतिहास का वह गौरवपूर्ण दिवस है, जब हम छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाते हैं। यह केवल एक जन्मतिथि का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस अद्भुत अध्याय का उत्सव है, जिसने पराधीनता के अंधकार में स्वराज्य का दीप प्रज्वलित किया। सत्रहवीं शताब्दी में जब भारत का बड़ा भूभाग मुगल सत्ता, विशेषतः औरंगजेब के कठोर शासन के अधीन था, तब सह्याद्रि की पर्वतमालाओं से एक युवा योद्धा ने यह उद्घोष किया कि ‘हिंदवी स्वराज्य’ केवल स्वप्न नहीं, बल्कि संकल्प है-और उस संकल्प को साकार कर दिखाया।

शिवाजी महाराज का जन्म 1630 में शिवनेरी दुर्ग पर हुआ। उनका नाम भगवान शिव पर नहीं, बल्कि देवी शिवई के नाम पर रखा गया-यह तथ्य ही बताता है कि उनके जीवन की प्रेरणा शक्ति और साहस की आराधना में

निहित थी। उनकी माता जीजाबाई ने उन्हें रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं के माध्यम से धर्म, नीति और राष्ट्रधर्म का संस्कार दिया। दादाजी कोंडदेव के मार्गदर्शन में उन्होंने शास्त्र और शस्त्र दोनों का संतुलित ज्ञान प्राप्त किया। यही संतुलन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता बना-वे केवल तलवार के धनी नहीं, बल्कि नीति और दूरदर्शिता के भी अद्वितीय उदाहरण थे।

शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा योगदान हिंदू साम्राज्य की स्थापना है, जिसे उन्होंने ‘हिंदवी स्वराज्य’ कहा। यह किसी एक संप्रदाय का राज्य नहीं था, बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता और सम्मान का प्रतीक था। उन्होंने छोटे-छोटे किलों से शुरूआत कर एक संगठित मराठा शक्ति का निर्माण किया। तोरणा, रायगढ़, प्रतापगढ़ जैसे दुर्ग केवल पत्थरों की संरचनाएँ नहीं थे, बल्कि स्वराज्य के प्रहरी थे। गुरिल्ला युद्धकला में उनकी दक्षता अद्भुत थी। मुगल सेनापति उन्हें पहाड़ी चूहा कहकर उपहास करना चाहते थे, परंतु वही रणनीति मुगलों की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई। वे भूगोल को अपनी शक्ति में बदलने की कला जानते थे-तेजी से आक्रमण, अचानक प्रहार और सुरक्षित वापसी उनकी युद्धनीति का आधार था। उनकी वीरता का शिखर तब दिखाई देता है जब उन्होंने औरंगजेब की विशाल साम्राज्यवादी शक्ति को खुली चुनौती दी। आगरा में बंदी बनाए जाने के बाद उनका साहसिक पलायन केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मुगल सत्ता के अहंकार पर करारा प्रहार था। इसके पश्चात उन्होंने 1674 में रायगढ़ में विधिवत राज्याभिषेक कर स्वयं को छत्रपति घोषित किया। यह घटना केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी प्रतीक थी-सदियों बाद किसी हिंदू राजा का वैदिक विधि से राज्याभिषेक हुआ था। शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था भी उतनी ही प्रभावशाली थी जितनी उनकी युद्धनीति। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना की, जिसमें विभिन्न विभागों के मंत्री नियुक्त थे। प्रशासन में पारदर्शिता, न्याय और जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई। भूमि राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया गया ताकि किसानों पर अत्याचार न हो। महिलाओं के सम्मान की रक्षा उनके शासन का मूल सिद्धांत था-युद्ध में पकड़ी गई महिलाओं को सम्मानपूर्वक उनके घर भेजने की परंपरा उन्होंने स्थापित की। धार्मिक सहिष्णुता उनके शासन की आधारशिला थी, उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों पर थे। उन्होंने किसी भी मस्जिद या पूजा स्थल को क्षति पहुँचाने की अनुमति नहीं दी। इस प्रकार उनका हिंदू स्वराज्य संकीर्ण नहीं, बल्कि उदार और समावेशी था।

शिवाजी महाराज भारत के उन शुरूआती शासकों में थे जिन्होंने समुद्री शक्ति के महत्व को समझा। उन्होंने एक सशक्त नौसेना का निर्माण किया और कोंकण तट की सुरक्षा सुनिश्चित की। विदेशी आक्रमणकारियों-विशेषतः पुर्तगालियों और सिद्धियोंकुके विरुद्ध यह रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई। यह दूरदर्शिता दशार्ती है कि वे केवल तत्कालीन संघर्षों तक सीमित नहीं थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी भांपने की क्षमता रखते थे। भारतीय संस्कृति और अस्मिता के लिए उनका त्याग अतुलनीय है। उन्होंने विलासिता का जीवन त्यागकर कठिन संघर्ष का मार्ग चुना। निरंतर युद्ध, षड्यंत्र और चुनौतियों के बीच भी उन्होंने राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि स्वराज्य केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का भी प्रश्न है। उन्होंने जनमानस में यह विश्वास जगाया कि विदेशी सत्ता अजेय नहीं है और संगठित प्रयास से स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है।

आधुनिक संदर्भ में यदि हम इस विरासत को देखें, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आज के भारत में शिवाजी के आदर्श कितने प्रासंगिक हैं। वर्तमान समय में जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका सुदृढ़ कर रहा है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन की अवधारणाएँ पुनः केंद्र में हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, सशक्त रक्षा नीति और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर विशेष बल दिया है। यहाँ तुलनात्मक विवेचना की जा सकती है, यद्यपि दोनों युगों की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। शिवाजी महाराज ने स्वदेशी सैन्य शक्ति पर भरोसा किया और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से साम्राज्य खड़ा किया। आधुनिक भारत में आत्मनिर्भर भारत अभियान उसी भावना का आधुनिक रूप प्रतीत होता है, जहाँ रक्षा उत्पादन और आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया जा रहा है। शिवाजी ने किलों और नौसेना के माध्यम से सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, आज भारत आधुनिक तकनीक और रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। शिवाजी का प्रशासन जनकल्याण और पारदर्शिता पर आधारित थाय समकालीन शासन में डिजिटल पारदर्शिता, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और भ्रष्टाचार-नियंत्रण की पहलें उसी आदर्श की झलक देती हैं। सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दृष्टि से भी समानता देखी जा सकती है। शिवाजी महाराज ने हिंदू परंपराओं और प्रतीकों को पुनर्स्थापित कर जनमानस में आत्मगौरव जगाया। आज भी भारत में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, तीर्थस्थलों के विकास और ऐतिहासिक विरासत के पुनरोद्धार पर बल दिया जा रहा है। अंतर केवल इतना है कि शिवाजी का संघर्ष प्रत्यक्ष सैन्य टकराव का था, जबकि आधुनिक भारत का संघर्ष वैश्विक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक संतुलन का है। फिर भी, तुलनात्मक विवेचना करते समय यह स्मरण रखना चाहिए कि शिवाजी महाराज का युग पूर्णतः भिन्न राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में था। वे एक उभरते हुए स्वराज्य के संस्थापक थे, आज का भारत एक स्थापित लोकतांत्रिक गणराज्य है। अतः समानताओं को प्रेरणा के रूप में देखना चाहिए, न कि पूर्ण समानता के रूप में। शिवाजी की सबसे बड़ी सीख है-साहस, संगठन, दूरदर्शिता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना। यही मूल्य किसी भी युग में प्रासंगिक रहते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि राष्ट्र निर्माण केवल तलवार से नहीं, बल्कि नीति, नैतिकता और जनविश्वास से होता है। उन्होंने दिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नेतृत्व दृढ़ हो तो असंभव भी संभव हो सकता है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने आचरण और राष्ट्रीय जीवन में उतारें। भारतीय अस्मिता का अर्थ किसी के प्रति द्वेष नहीं, बल्कि अपने स्वत्व का सम्मान है-और यही संदेश शिवाजी महाराज के जीवन से हमें मिलता है। उनकी 394वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए हम संकल्प लें कि स्वराज्य की उस भावना को, जिसे उन्होंने सह्याद्रि की घाटियों से जगाया था, हम आधुनिक भारत की प्रगति और वैश्विक नेतृत्व में रूपांतरित करेंगे। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मोदी की कूटनीति पर सियासी शोर, राष्ट्रहित पर क्यों सवाल?

-सुरेश गांधी

भारत की विदेश नीति को लेकर एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक कार्यक्रमों को लेकर यह सवाल उठाया जा रहा है कि उन्हें बांग्लादेश के शपथ ग्रहण समारोह में जाना चाहिए था। यह बहस सतही तौर पर राजनीतिक लग सकती है, लेकिन यदि इसे राष्ट्रीय और वैश्विक रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह विवाद वास्तविकता से अधिक राजनीतिक प्रतीत होता है। दरअसल, इसी दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का भारत दौरा तय था। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में यह केवल औपचारिक मुलाकात नहीं बल्कि सामरिक साझेदारी का महत्वपूर्ण अवसर माना जाता है। फ्रांस भारत का भरोसेमंद रक्षा सहयोगी रहा है और अंतरिक्ष तकनीक, परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा तथा इंडो-पैसिफिक रणनीति में दोनों देशों की साझेदारी भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करती रही है। ऐसे में फ्रांस के साथ उच्च स्तरीय वार्ता को प्राथमिकता देना केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा निर्णय माना जाना चाहिए।

जहां तक बांग्लादेश का प्रश्न है, भारत और बांग्लादेश के संबंध पिछले दशक में अभूतपूर्व रूप से मजबूत हुए हैं। सीमा समझौते, व्यापार विस्तार, ऊर्जा सहयोग और आतंकवाद विरोधी समन्वय जैसे कई क्षेत्रों में दोनों देशों ने उल्लेखनीय प्रगति की है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों ने स्थिरता और विश्वास की नई मिसाल कायम की है। इसलिए यह तर्क देना कि प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति से रिश्तों में असहजता उत्पन्न होगी, कूटनीतिक वास्तविकताओं से मेल नहीं खाता। अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार किसी भी देश के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री का स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य नहीं होता। कई बार वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल भेजना भी समान सम्मान का संकेत माना जाता है। इसी परंपरा के तहत भारत ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सौंपा।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती कूटनीतिक ताकत के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कार्यक्रम को लेकर देश में राजनीतिक बहस छेड़ दी गई है। सवाल उठाया जा रहा है कि क्या पड़ोसी देश के शपथ समारोह में उनकी अनुपस्थिति कूटनीतिक चूक है या फिर यह एक सुनियोजित रणनीतिक प्राथमिकता का हिस्सा। दरअसल, जब विश्व शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा हो, तब किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति केवल औपचारिक उपस्थिति से नहीं बल्कि दीर्घकालिक सुरक्षा, सामरिक साझेदारी और वैश्विक प्रभाव के समीकरणों से तय होती है। ऐसे में यह बहस केवल एक दौरे की नहीं, बल्कि भारत की उभरती वैश्विक भूमिका और उसकी रणनीतिक सोच को समझने की भी है

यह निर्णय भारत की संस्थागत व्यवस्था और कूटनीतिक गरिमा के अनुरूप है। घरेलू राजनीतिक विवादों के आधार पर संवैधानिक पदों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की छवि को प्रभावित कर सकता है।

कुछ राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा यह सुझाव भी दिया गया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सौंपा जाना चाहिए था। यह विचार लोकतांत्रिक सहयोग के दृष्टिकोण से आकर्षक लग सकता है, लेकिन भारतीय संसदीय व्यवस्था में विदेश नीति का संचालन सरकार का विशेषाधिकार होता है। विपक्ष की भूमिका सुझाव और आलोचना तक सीमित होती है, न कि आधिकारिक प्रतिनिधित्व का नेतृत्व करना। यदि विदेश नीति को राजनीतिक प्रयोग का माध्यम बना दिया जाए, तो यह शासन प्रणाली की स्थिरता पर प्रश्न खड़े कर सकता है। भारत की कूटनीति को केवल पड़ोसी देशों तक सीमित करके देखना भी उचित नहीं है। वैश्विक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है और भारत को एक साथ कई मोर्चों पर रणनीतिक संतुलन बनाए रखना पड़ता है। पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं, वहीं हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नई सामरिक प्रतिस्पर्धा उभर रही है। ऐसे में वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करना भारत की आवश्यकता भी है और रणनीतिक मजबूती का संकेत भी। विदेश नीति का मूल उद्देश्य भावनात्मक संतुलन नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हित और वैश्विक प्रभाव को मजबूत करना होता है। किसी भी कूटनीतिक निर्णय का मूल्यांकन तात्कालिक राजनीतिक लाभ या नुकसान के आधार पर नहीं बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों के संदर्भ में किया जाना चाहिए। आज भारत वैश्विक मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। यह स्थिति केवल सैन्य या आर्थिक ताकत से नहीं बल्कि संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति से संभव हुई है। प्रधानमंत्री के विदेश दौरों और रणनीतिक प्राथमिकताओं को राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति देश की कूटनीतिक परिपक्वता को कमजोर कर सकती है। भारत जैसे विशाल और प्रभावशाली राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि विदेश नीति को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय राष्ट्रीय सहमति और रणनीतिक सोच के साथ देखा जाए। कूटनीति में संतुलन ही शक्ति है और यही संतुलन भारत को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रहा है।

स्वयं सहायता समूह से सशक्तिकरण तक: बड़वा की जूती की गूँज देशभर में

-प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती परंपरा, परिश्रम और हुनर की अनमोल विरासत से समृद्ध रही है। यहाँ के गाँव केवल कृषि तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हस्तकला और पारंपरिक कौशल की जीवंत पहचान भी हैं। भिवानी जिले के सिवानी क्षेत्र के बड़वा गाँव की कारीगर कांता देवी ने इसी परंपरा को अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। आज उनकी बनाई हुई जूतियाँ गुरुग्राम में आयोजित सरस आजीविका मेले में ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। यह सफलता केवल एक महिला की उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और पारंपरिक कला के पुनर्जागरण की प्रेरक कहानी है।

कांता देवी का जीवन संघर्ष, समर्पण और संकल्प का उदाहरण है। उनका विवाह ऐसे परिवार में हुआ, जहाँ जूती निर्माण की कला पीढ़ियों से चली आ रही थी। उनके ससुर भाना राम इस पारंपरिक कार्य से जुड़े हुए थे और उनके पति भी इस काम में सक्रिय भूमिका निभाते थे। विवाह के बाद कांता देवी ने इस कला को केवल परंपरा के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे अपनी पहचान और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाया। उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाने का निश्चय किया और पूरी लगन से इसमें जुट गईं।

शुरूआत में कांता देवी गाँव में ही जूतियाँ बनाकर बेचती थीं। सीमित संसाधन, छोटा बाजार और कम आय जैसी कई चुनौतियाँ उनके सामने थीं। लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनके पति ने उनका पूरा सहयोग किया और गाँव में दुकान संभालकर इस व्यवसाय को मजबूत आधार दिया। यह पारिवारिक सहयोग उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत बना। धीरे-धीरे उन्होंने अपने कौशल को निखारा और पारंपरिक डिजाइनों के साथ आधुनिक डिजाइनों को भी शामिल करना शुरू किया।

लगभग दस वर्ष पहले कांता देवी ने लक्ष्मीबाई महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया। इस समूह के माध्यम से उन्होंने गाँव की अन्य महिलाओं को भी इस कार्य से जोड़ा। यह पहल केवल रोजगार का माध्यम नहीं बनी, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक मजबूत उदाहरण भी बनी। इस समूह से जुड़कर महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता मिली और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया। आज यह समूह कई महिलाओं के लिए स्थायी आय का स्रोत बन चुका है।

समय के साथ कांता देवी ने अपने उत्पादों को एक नई पहचान देने के लिए ‘अभिनिक इंडिया’ नाम से अपना ब्रांड स्थापित किया। यह कदम उनके व्यवसाय के विस्तार में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ। इस ब्रांड के माध्यम से उनकी जूतियाँ स्थानीय बाजार से निकलकर बड़े शहरों और राष्ट्रीय स्तर के मेलों तक पहुँचने लगीं। उनके बेटे ने ऑनलाइन बिक्री की जिम्मेदारी संभाली, जिससे उनके उत्पाद डिजिटल प्लेटफॉर्म तक भी पहुँच गए। आज उनके पास 100 से अधिक डिजाइनों का संग्रह है, जो पारंपरिक कला और आधुनिक फैशन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। उनकी जूतियों की कीमत 350 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक है और उनका मासिक कारोबार लगभग तीन लाख रुपये तक पहुँच चुका है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि ग्रामीण उत्पादों को सही मंच और अवसर मिले, तो वे आर्थिक रूप से अत्यंत सफल हो सकते हैं। यह सफलता केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान की भी कहानी है।

इस उपलब्धि में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस मिशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और बाजार उपलब्ध कराया जाता है। इसी मंच के माध्यम से कांता देवी को सरस मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर मिला। सरस मेला ग्रामीण कारीगरों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहाँ उन्हें अपने हुनर को बड़े स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

खंड कार्यक्रम प्रबंधक, सिवानी, जगबीर सिंह वर्मा ने बताया कि भारत सरकार एवं हरियाणा सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं, को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। सिवानी खंड में 402 महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है, जिनसे लगभग 4000 महिलाएँ जुड़ी हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता तथा सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। पिछले आठ वर्षों में अनेक महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपना व्यक्तिगत ब्रांड अर्बनिकइंडिया नाम से तैयार किया है, जिसके उत्पाद अब ऑनलाइन माध्यम से भी खरीदे जा सकते हैं।

भिवानी जिले के एक छोटे से गाँव से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचना आसान नहीं था। इसके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार का सहयोग और आत्मविश्वास की शक्ति थी। उनके ससुर भाना राम द्वारा शुरू की गई इस पारंपरिक कला को कांता देवी और उनके पति ने मिलकर आगे बढ़ाया और इसे आधुनिक पहचान दिलाई। यह परंपरा और नवाचार का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस सफलता का सामाजिक प्रभाव भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज में उनका सम्मान भी बढ़ता है। वे परिवार के निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाने लगती हैं और अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में योगदान देती हैं। कांता देवी की सफलता ने गाँव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है कि वे अपने कौशल का उपयोग कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। यह सफलता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब गाँव में ही रोजगार उपलब्ध होता है, तो लोगों को शहरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता कम हो जाती है। इससे ग्रामीण समाज में स्थिरता और समृद्धि आती है। यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हरियाणा जैसे राज्यों में पारंपरिक हस्तकला की अपार संभावनाएँ हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि इन कारीगरों को उचित प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार उपलब्ध कराया जाए। यदि सरकार और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर इस दिशा में कार्य करें, तो ग्रामीण हस्तकला न केवल देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकती है।

कांता देवी की यात्रा हमें यह सिखाती है कि सफलता के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि मजबूत संकल्प और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि व्यक्ति अपने कौशल पर विश्वास रखे और मेहनत करे, तो वह किसी भी बाधा को पार कर सकता है।

आज कांता देवी केवल एक कारीगर नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुकी हैं। उन्होंने यह दिखाया है कि पारंपरिक कला केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का आधार भी है। उनके पति और ससुर के सहयोग से शुरू हुई यह यात्रा आज राष्ट्रीय पहचान बन चुकी है।

अंततः, बड़वा गाँव की जूतियों की यह सफलता केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की उपलब्धि है। यह कहानी हमें यह विश्वास दिलाती है कि यदि ग्रामीण हुनर को सही मंच और सम्मान मिले, तो वह न केवल आर्थिक समृद्धि ला सकता है, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत कर सकता है। कांता देवी की यह यात्रा आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपने हुनर पर गर्व करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

एक बिहारी, पाकिस्तान पर भारी

संजीव ठाकुर

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच केवल खेल नहीं, बल्कि भावनाओं, इतिहास और राष्ट्रीय गौरव का संगम होता है। जब भी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होते हैं, तो पूरा उपमहाद्वीप की सांसें थम जातीं है। स्टेडियम की हर सीट, टीवी की हर स्क्रीन और दिल की हर धड़कन उसी एक क्षण पर टिकी रहती है। ऐसे ही एक रोमांचक मुकाबले में 15 फरवरी 26 को भारत पाकिस्तान T20 क्रिकेट मैच के मुकाबले में एक बिहारी, पाकिस्तान पर भारी कहावत चरितार्थ हुई, जब बिहार की धरती से निकले युवा बल्लेबाज ईशान किशन ने अपने दमदार प्रदर्शन से मैच का रुख पलट कर रख दिया। उसने T20 विश्व कप 26 टूनार्मेंट में पाकिस्तान के मुकाबले 40 गेंद में 77 रन बनाकर मैच को भारत के पक्ष में खड़ा कर दिया और इंडिया 175 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर पाई इसके मुकाबले में पाकिस्तान 119 रन बनाकर आउट हो गई और भारत शानदार ऐतिहासिक रूप से 61 रनों से जीत गई।

मुकाबले की पृष्ठभूमि मैं सदैव

भारत पाकिस्तान का मैच दबाव से भरा होता है। गेंदबाजी तेज, फील्डिंग चुस्त और हर रन की कीमत सोने के बराबर होती है। पाकिस्तान की टीम ने शुरूआती ओवरों में सटीक गेंदबाजी कर भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। स्कोरबोर्ड पर दबाव साफ दिखाई दे रहा था। ऐसे समय में क्रीज पर आए ईशान किशन चेहरे पर आत्मविश्वास, बल्ले में आक्रामकता और आंखों में जीत का जज्बा। ईशान किशन ने संघर्ष से शिखर तक पहुंचने में एड़ी चोटी का जोर लगाकर अपना करियर बनाया। बिहार जैसे राज्य से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक का सफर आसान नहीं होता। सीमित संसाधन, कम अवसर, और कड़ी प्रतिस्पर्धा इन सबके बीच ईशान ने अपने हुनर और मेहनत से जगह बनाई।

उनकी बल्लेबाजी की खासियत ही है तेज शुरूआत, स्पिन के खिलाफ बेखौफ शॉट्स और दबाव में संयम। यही गुण उस दिन भारत के काम आया।

मैच का टर्निंग पॉइंट

जब पहला विकेट अभिषेक शर्मा का जीरो पर गिर गया और रन गति थम गई थी, तब ईशान ने परिस्थिति को भांपते हुए पहले पारी को संभाला और फिर आक्रमण शुरू किया।कवर ड्राइव से आत्मविश्वास जताया पुल शॉट से गेंदबाजों पर दबाव बनाया स्पिनरों के खिलाफ आगे बढ़कर छक्के जड़े। उनकी पारी ने न सिर्फ रन जोड़े, बल्कि ड्रेसिंग रूम में विश्वास भी लौटाया। जहां मैच पाकिस्तान की पकड़ में जाता दिख रहा था, वहीं ईशान की विस्फोटक बल्लेबाजी ने संतुलन भारत की ओर मोड़ दिया। मानसिक मजबूती का परिचय भारतझ्रपाक मुकाबले में मानसिक दबाव सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी होता है। ऐसे माहौल में युवा खिलाड़ी अक्सर घबरा जाते हैं। लेकिन ईशान ने परिपक्वता दिखाई,हर गेंद को उसके गुण के अनुसार खेला, अनावश्यक जोखिम से बचे और सही समय पर आक्रमण किया। उनकी पारी केवल रन नहीं थी वह आत्मविश्वास का संदेश थी।

निष्कर्षः क्रिकेट में जीत टीम की होती है, लेकिन कुछ पारियां इतिहास में दर्ज हो जाती हैं। उस दिन ईशान किशन ने साबित किया कि प्रतिभा क्षेत्र नहीं देखती—बिहार की मिट्टी से निकला खिलाड़ी भी विश्व मंच पर चमक सकता है।

एक बिहारी, पाकिस्तान पर भारीह्व केवल नारा नहीं रहा, बल्कि उस दिन की सच्चाई बन गया। भारत पाकिस्तान मुकाबले की कहानी में यह अध्याय हमेशा याद किया जाएगा जब एक युवा बल्लेबाज ने दबाव को अवसर में बदल दिया और मैच का रुख पलट दिया।

अमरीका का ट्रम्प कार्ड और पाकिस्तान की छटपटाहट

अगर कहा जाए कि मौजूदा अमरीका के पास ट्रम्प कार्ड है जो कब चल दे, कोई नहीं जानता, तो गलत नहीं होगा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का तल्खी भरा कहें या दर्द भरा बयान यही बताता है। गत दिवस वह नैशनल असैंबली में अमरीका की पाकिस्तान के प्रति भूमिका पर बोलते समय कुछ ऐसा बोल गए, जिसकी चर्चा इन दिनों पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि अमरीका ने पाकिस्तान का अपने सामरिक हितों के लिए हमेशा इस्तेमाल किया, उसके बाद टॉयलैट के पेपर जैसा छोड़ दिया। निश्चित रूप से इतना तो समझ आता है कि भारत के साथ हुई ट्रेड डील के बाद पाकिस्तान में बेचैनी जरूर दिख रही थी। अन्दरूनी तौर पर पाकिस्तान इतना घबराया हुआ और परेशान होगा, यह लगता नहीं था। अमरीका ने इस्लाम को इस्लाम के खिलाफ खड़ा कर अपना मतलब साध लिया और स्वार्थी पाकिस्तान समझते हुए भी अनजान बना रहा। जब भारत से अमरीका की चंद दिनों पहले की नजदीकी समझ आई तो दर्द छलकने लगा। पाकिस्तान अच्छे से समझता था कि अफगानिस्तान की जमीन पर लड़े गए दो युद्ध न तो इस्लाम के हित में थे न ही मजहब से प्यार करने वालों के। हकीकत में ये दुनिया का दारोगा कहलाने वाले अमरीका के स्वार्थ से जुड़े थे, जो वास्तव में एक सुपरपावर की रणनीतिक जंग थी। निश्चित रूप से अब लगने लगा है कि पाकिस्तान-अमरीका के बीच मुनीर और शहबाज शरीफ के चापलूसी भरे रिश्ते पर भी अमरीकी राष्ट्रपति का ट्रम्प कार्ड चल गया है। खिसियाए पाकिस्तान और उसके रक्षा मंत्री के बयान के बाद, अब अंतर्राष्ट्रीय मायने चाहे जो निकाले जाएं लेकिन यह समझ आने लगा है कि पाकिस्तान की स्थिति उगलत लीलत पीर घनेरी जैसी हो गई है, जाए तो जाए कहां? हालांकि ख्वाजा आसिफ अब मानते हैं कि पाकिस्तान ने सोवियत संघ के खिलाफ और 2001 के बाद अमरीका के नेतृत्व वाले युद्धों में भाग लिया था जो धार्मिक जेहाद कतई नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह राजनीतिक लाभ और दुनिया की बड़ी शक्तियों का समर्थन प्राप्त करने बाबत था। आर्थिक रूप से टूट चुके और एक तरह से आंतरिक युद्ध के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान को पहले ही समझना था कि ज्यादा मिठास में कीड़े पड़ जाते हैं। बहरहाल मौजूदा दौर में पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ट्रम्प की चापलूसी कर-कर के बनाए गए संबंधों में न केवल कड़वाहट आ रही, बल्कि कीड़े भी पड़ रहे हैं। शायद पाकिस्तान यह भूल गया है कि अच्छा पड़ोसी उसका सही हितैषी होता है। लेकिन उसने तो शुरू से भारत को अपना दुश्मन मान रखा था, जिसके नतीजे अब दुनिया देख रही है कि पाकिस्तान खुद ही अपने बुने जाल में फंस कर कैसे फडफड़ा रहा है। पाकिस्तान की बौखलाहट इसी से समझ आती है कि उसके मौजूदा हुक्मरान खुद ही अपनी पोल खोल रहे हैं। अब आसिफ द्वारा की गई आलोचना उनकी छाती पीटने वाली मानसिक स्थिति जैसी है। वे इतने परेशान और व्यग्र हैं कि पूर्व सेना प्रमुखों जनरल जिया-उल-हक और परवेज मुशर्रफ की खुलकर आलोचना करते हुए यह कहने से भी नहीं हिचकते कि दोनों ने अमरीका को अफगानिस्तान युद्ध के लिए अपना पोर्ट और एयरस्पेस देकर दोगलई की। दोनों ने इस लड़ाई की खातिर अपनी रीति-नीति भी बदल दी, जिसे आज पाकिस्तान भुगत रहा है। अब आसिफ को अफगानिस्तान की तबाही याद आने के साथ-साथ खुद की गलतियां भी नजर आने लगी हैं, जिसके चलते न केवल लाखों लोग प्रभावित हुए, तबाह हुए, बल्कि पीढि?ां भी बर्बाद हुईं। वे इसे पाकिस्तान का ह्ययूज एंड थ्रोह्व बताते हुए यहां तक कहते हैं कि हकीकत में यह किराए का एक युद्ध था, जिसमें पाकिस्तान का अमरीका ने अपने सामरिक हितों के लिए खासा इस्तेमाल किया और मतलब निकलते ही छोड़ दिया। यकीनन टुकड़े फैंक कर पाकिस्तान का इस्तेमाल किया गया। क्या यह सब भारत के साथ हुई डील के बाद पाकिस्तान को समझ आया? पाकिस्तान जब झोली लेकर भीख मांगते हुए अमरीका के सामने खड़ा होता था, तब यह पुरानी बातें याद क्यों नहीं रहती थीं? जब तक उसकी झोली में अमरीकी डॉलर बतौर भीख आते रहे तो मुंह बंद रहता था।

बोईसर में डाइपर मार्ट का हुआ उद्घाटन, हर बेबी केयर उत्पाद पर आकर्षक छूट

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर (पूर्व) में बेबी केयर व हाइजीन उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए बोईसर डाइपर मार्ट का शुभारंभ किया गया। इस मार्ट का उद्घाटन अल हिन्द एकता फाउंडेशन के अध्यक्ष इकरार अहमद सिद्दीकी के हाथों रिबन काट कर किया गया। यह नया प्रतिष्ठान नारायण शॉपिंग पार्क, फेज-2, शॉप नंबर 14/इ, बोईसर शहर में शुरू किया गया है। दुकान के मालिक शफीक शेख ने बताया कि यहां ग्राहकों को बेबी डायपर, बेबी केयर प्रोडक्ट्स और महिलाओं के लिए हाइजीन उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उचित दामों पर उपलब्ध कराई जायेगी। दुकान में पैंपर, मामयपॉको पैंट्स, बेबीहग, हगीज, लिटिल एंजल, स्टेफ्री, व्हिस्पर, सोफी, वाइप्स सहित कई प्रसिद्ध ब्रांड के उत्पाद उपलब्ध हैं।उद्घाटन अवसर पर दुकानदार द्वारा सभी उत्पादों पर विशेष छूट की घोषणा की गई, जिससे स्थानीय ग्राहकों में खासा उत्साह देखा गया। शफीक शेख ने कहा कि उनका उद्देश्य बोईसर और आसपास के क्षेत्र के लोगों को गुणवत्तापूर्ण बेबी केयर व हाइजीन उत्पाद एक ही छत के नीचे उचित कीमत पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने ग्राहकों से बोईसर डाइपर मार्ट में आकर खरीदारी करने की अपील भी की। कार्यक्रम में शाहिद शेख, अल हिन्द एकता फाउंडेशन अध्यक्ष इकरार अहमद सिद्दीकी, नितिन चौधरी, इरशाद खान, ताहिर मंसूरी, वाहिद शेख, परवेश शेख, आलम अंसारी व आलम चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्री ओंकारेश्वर महादेव शिव मंदिर, शिवाजी नगर में गूंजा हर-हर महादेव, भक्तों की उमड़ी भीड़

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर (प.) एमआईडीसी तारापुर क्षेत्र अंतर्गत सालवड ग्राम पंचायत के शिवाजी नगर स्थित श्री ओंकारेश्वर महादेव शिव मंदिर में आयोजित महाशिवरात्रि महापर्व पर विशेष पूजन-पाठ, अभिषेक के साथ रविवार 15 फरवरी सुबह मंगल आरती के साथ भगवान शिव की परम प्रिय पंचाक्षरी मंत्र ॐ नमः शिवाय का चौबीस घंटे का अखंड अनुष्ठान पाठ का आयोजन किया गया। श्री ओंकारेश्वर महादेव शिव मंदिर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी यह दिव्य आयोजन मंदिर के संस्थापक व ट्रस्ट अध्यक्ष महादेव के अनन्य भक्त लाल प्रताप सिंह के सानिध्य में महाप्रसाद वितरण के साथ महायज्ञ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान शिव की आराधना, विधि विधान से पूजन अभिषेक में नगर के बड़ी संख्या में शिवभक्त, श्रद्धालु एवं गणमान्य जन ने हवनादी, महाआरती व महाप्रसाद वितरण में शामिल होकर बाबा महादेव का आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके ट्रस्ट अध्यक्ष एल पी सिंह ने विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय, उद्योजक विवेक चौबे व फाउंडेशन के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों के अलावा सालवड़ ग्राम पंचायत सरपंच संजय पाटील, बविआ के प्रशांत पाटील समेत अनेक शिवभक्तों का विशेष रूप से सत्कार किया।

पानी टंकी निर्माण में देरी होने पर नाराज स्थानिकों ने मनपा मुख्यालय के सामने दिया धरना आंदोलन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा क्षेत्र के कोटर गेट परिसर स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद मैदान उद्यान में प्रस्तावित पानी की टंकी के निर्माण में हो रही देरी के विरोध में स्थानीय नागरिकों ने मनपा मुख्यालय के सामने एक दिवसीय धरना आंदोलन किया। यह आंदोलन जावेद अंसारी उर्फ जावेद किरण के नेतृत्व में मंगलवार (17) को आयोजित किया गया, जिसमें प्रशासन से जवाब मांगा गया। कोटर गेट, मंगल बाजार स्लैब और जैतुनपुरा क्षेत्रों में पिछले कई वर्षों से गंभीर जल संकट बना हुआ है। इस समस्या के समाधान के लिए मनपा प्रशासन ने पानी के भंडारण हेतु टंकी निर्माण को मंजूरी दी थी। बतादें कि निर्माण कार्य शुरू होने के कुछ महीनों बाद ही ठेकेदार द्वारा काम अचानक बंद कर दिए जाने से स्थानीय नागरिकों में चिंता और नाराजगी बढ़ गई है। जावेद अंसारी ने आरोप लगाया कि निर्माण में अनावश्यक देरी के कारण क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आंदोलनकारियों ने कहा कि सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति नागरिकों का मूल अधिकार है तथा स्वास्थ्य, स्वच्छता और सार्वजनिक कल्याण के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना महानगरपालिका का वैधानिक दायित्व है। लगातार पानी की कमी से नागरिकों के सार्वजनिक स्वास्थ्य और दैनिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। धरना आंदोलन के अंत में जावेद अंसारी ने मांग की कि पानी की टंकी का निर्माण कार्य तत्काल शुरू किया जाए और क्षेत्र के नागरिकों को न्याय दिलाया जाए।

व्हील ऑफ फॉर्च्यून पर आइडेंटिकल ट्रिपलेट्स बहनों ने अक्षय कुमार को डाला चक्कर में

मुंबई/पटना। आने वाले एपिसोड में तीन गुना मजा और एक्साइटमेंट होने वाला है क्योंकि तीन एक-सी दिखने वाली बहनें कंटेस्टेंट के तौर पर स्पॉटलाइट में हैं। होस्ट अक्षय कुमार मजाक में पूछते हैं कि लोग उनके बीच फर्क कैसे करते हैं। उन बहनों में एक ने मजेदार किस्सा सुनाया, जिससे स्टेज पर हंसी की लहर दौड़ पड़ी। इससे वाकई में एंटरटेनिंग एपिसोड का माहौल बन गया। उन तीनों के एक जैसे दिखने से हैरान अक्षय कुमार सोचने से खुद को रोक नहीं पाते, मुझे एक बात बताइए, मैं आप तीनों को पूछता हूँ, आप तीनों एक जैसे लगते हैं लेकिन कुछ तो फर्क होगा जो आपस में कोई मतलब माता जी कैसे पहचानती है कि कौन आस्था है कौन आकांक्षा है, कुछ तो फर्क होगा।

टीबी मुक्त भारत अभियान की पालघर जिलाधिकारी बनीं निक्षय मित्र, क्षयरोग मरीजों की सहायता का किया आह्वान

पालघर(उत्तरशक्ति)। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पालघर जिले में जिलास्तरीय क्षयरोग मंच तथा क्षयरोग सह-व्याधि समीक्षा बैठक 16 फरवरी को जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिले में टीबी उन्मूलन के लिए किये जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये।

बैठक के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक्स-रे जांच, न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (एनएएटी), मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) मरीजों की स्थिति, उपचार प्रगति, दवा उपलब्धता एवं भंडारण जैसे विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने स्वयं निक्षय मित्र बनकर 10 टीबी मरीजों को प्रोटीन युक्त खाद्यान्न टोकरी वितरित की। साथ ही बी-पाल्म (इ-ढंछट) उपचार पूरा कर पूरी तरह स्वस्थ हुए मरीजों को ह्यटीबी चैंपियनह्ल के रूप में सम्मानित किया गया। जागरूकता, संवाद एवं सामाजिक सहभाग (ए सी एस एम) कार्यक्रम के तहत सभी क्षयरोग मंच सदस्यों को टीबी मुक्त भारत अभियान के लोगो वाले पेन-स्टैंड प्रदान कर अभियान को निरंतर याद रखने का संदेश दिया गया। वर्तमान में पालघर जिले में कुल 2653 टीबी मरीज उपचाराधीन हैं, जिनमें से 850 मरीजों को अब तक 3584 प्रोटीन युक्त खाद्यान्न टोकरी वितरित की गई है। अभियान शुरू होने से अब तक जिले में कुल 6945 टोकरी वितरित की जा चुकी हैं, जिनमें से केवल वर्ष 2025 में ही 3584 टोकरी वितरित की गईं। इस अभियान में सामाजिक संस्थाओं और विभिन्न कंपनियों ने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व) के तहत सक्रिय सहभाग दर्ज किया है।

ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत क्षयरोग मरीजों को दवा के साथ पोषण सहायता भी आवश्यक होती है। सरकार द्वारा मरीजों को प्रति माह 1000 रुपये पोषण सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा कोई भी नागरिक, समाजसेवी संस्था, उद्योग समूह, जनप्रतिनिधि या अधिकारी निक्षय मित्र बनकर मरीजों को उपचार अवधि के दौरान प्रोटीन युक्त खाद्यान्न टोकरी देकर सीधी मदद कर सकता है। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने अधिक से अधिक नागरिकों से निक्षय मित्र बनने और टीबी मरीजों को सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने सामूहिक सहभाग से पालघर जिले को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड, सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंके सहित सभी मेडिकल अधीक्षक, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी, पंचायत विभाग के अधिकारी, खाद्य एवं औषध प्रशासन विभाग के प्रतिनिधि तथा वेदांत मेडिकल कॉलेज के श्वसन रोग विभाग प्रमुख डॉ. घोरपडे (ऑनलाइन माध्यम से), व सभी समूह विकास अधिकारी उपस्थित थे।

छाती में दुर्लभ सिस्ट से पीड़ित 43 वर्षीय मरीज को रोबोटिक सर्जरी द्वारा सफल इलाज

मुंबई। परेल स्थित ग्लेनेईगल्स अस्पताल में 43 वर्षीय मरीज राहुल जगताप का अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी द्वारा सफल इलाज किया गया। मरीज पिछले दो महीनों से छाती में जलन, भारीपन और दबाव की समस्या से परेशान थे। विस्तृत जांच में छाती के अंदर एक दुर्लभ इसोफेगल डुप्लिकेशन सिस्ट पाई गई, जो भोजन नली और हृदय पर दबाव डाल रही थी।

सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं मिनिमल एक्सेस सर्जरी डायरेक्टर डॉ. प्रशांत राव के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने पारंपरिक ओपन सर्जरी के बजाय रोबोटिक, मिनिमली इनवेसिव सर्जरी का विकल्प चुना। जनवरी 2026 में की गई सर्जरी सफल रही और सिस्ट को सुरक्षित रूप से निकाल दिया गया। सर्जरी के चौथे दिन मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल के सीईओ डॉ. बिपीन चेवले ने बताया कि इस जटिल प्रक्रिया में उन्नत रोबोटिक तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और कम दर्द वाली रही। इस तकनीक से मरीज तेजी से स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकता है। मरीज राहुल जगताप ने अस्पताल की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर सही निदान और आधुनिक उपचार से उन्हें नई जिंदगी मिली है।

बिना नोटिस तोड़ा 20 साल पुराना काजल होटल कोर्ट स्टे के बावजूद कार्रवाई पर सवाल

मीरा-भाईंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के प्रभाग क्रमांक 4 में प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर बड़ा सवाल वो विवाद खड़ा हो गया है। प्रभाग अधिकारी स्वप्निल सावंत द्वारा बिना पूर्व नोटिस दिए गए 20 साल पुराने काजल होटल को तोड़े जाने का मामला सामने आया है। होटल संचालक रंजीत यादव का आरोप है कि होटल पर न्यायालय से स्टे (स्थगन आदेश) प्राप्त था, इसके बावजूद मनपा ने अचानक तोड़फोड़ की कार्रवाई कर दी। रंजीत यादव के अनुसार, होटल वैध रूप से संचालित हो रहा था और कोर्ट का स्टे होने के बावजूद कार्रवाई करना नियमों की अवहेलना है। इस तोड़क कार्रवाई से करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि रंजीत यादव ने करीब 6 महीने पहले ही होटल को किराये पर लेकर संचालन शुरू किया था। ऐसे में अचानक हुई कार्रवाई से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है। कि यदि वास्तव में कोर्ट का स्टे आदेश प्रभावी था, तो बिना नोटिस कार्रवाई किस आधार पर की गई। और यदि प्रशासन की कार्रवाई गलत पाई जाती है, तो हुए नुकसान की भरपाई कौन करेगा। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में भी इस कार्रवाई को लेकर असंतोष देखा जा रहा है। मामले को लेकर अब कानूनी और राजनीतिक में चर्चा तेज हो गई है। क्या मनपा प्रशासन इस मामले में स्पष्टीकरण देगा? क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी और पीड़ित को मुआवजा मिलेगा या नहीं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

भिवंडी में क्रांतिकारक समाज सुधारक लहुजी वस्ताद साल्वे की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर दी गयी श्रद्धांजलि

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के अण्णाभाऊ साठे नगर, नारपोली स्थित जय लहुजी मित्र मंडल की ओर से महान समाज सुधारक और क्रांतिकारी गुरु लहुजी वस्ताद साळवे को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु अभिवादन सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत लहुजी वस्ताद साल्वे की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें विनम्र नमन करने से हुई। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने लहुजी वस्ताद साल्वे के समाजजागृति, शौर्य और सामाजिक समानता के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने वंचित और उपेक्षित समाज को संगठित कर आत्मसम्मान और समता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। पत्रकार अशोक पाटोळे ने अपने संबोधन में कहा कि लहुजी वस्ताद साल्वे ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष कर समतामूलक समाज की नींव रखी। उनके विचारों और कार्यों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर पत्रकार आनंद सोलसे, युवा कार्यकर्ता संतोष रसाल, आत्माराम पाटोले, विशाल जोगदंड, पियूष पाटोले, नितिन ननवरे, गणेश मस्के, जनार्दन हजारे, पप्पू मोरे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और युवक उपस्थित थे। जय लहुजी मित्र मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम शांत, उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में सभी उपस्थितों ने सामाजिक एकता और समाजसेवा के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

खन्ना कम्पाउंड के शिवमंदिर प्रांगड़ में भव्य कवि सम्मेलन अयोजित

अन्य राज्यों से आये हुये कवियों ने माहौल रचा

कल्याण(उत्तरशक्ति)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विठ्ठलवाड़ी स्थित खन्ना कंपाउंड शिव मंदिर में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। आये हुवे हजारों की संख्या में भक्त जनों के लिए महाप्रसाद भोजन की वेवस्था उद्योगपति और कार्यक्रम के संचालक डॉक्टर जगदीश सिंह की तरफ से किया गया था।

बतादें की उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे कवियों ने अपनी रचनाओं से ऐसा माहौल रचा कि कार्यक्रम समाप्त होने तक पूरा पंडाल तालियों की गूंज से भरता रहा। शिवशंभु डेवलपर्स के संचालक डॉ.जगदीश सिंह के मार्गदर्शन में पिछले 34 वर्षों से महाशिवरात्रि पर कवि सम्मेलन का सफल आयोजन हो रहा है। कवियों में यूपी के प्रतापगढ़ से सुरेश मिश्र, मिजार्पुर की कुसुम तिवारी, एमपी के भोपाल से रुद्र प्रताप, उज्जैन से श्रीकांत सरल पन्ना से डा.राज बुंदेली और कल्याण के जयप्रकाश मिश्र उपस्थित थे, जिन्होंने ओज, वीर रस, हास्य-व्यंग और संवेदनशील कविताओं की प्रस्तुति दी। वहीं सम्मेलन के सफलतापूर्वक आयोजन में रितेश सिंह, संयोजक एनके सिंह आदि का विशेष योगदान रहा।

नागझरी व पेठ में जल अर्पण दिवस उत्साहपूर्वक आयोजित

प्रभातफेरी, ग्रामसभा, जल प्रतिज्ञा व जल शुद्धीकरण का प्रदर्शन संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के विक्रमगड तहसील के नागझरी और दहानू तहसील के पेठ गांव में जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण हुई पेयजल आपूर्ति योजनाओं के ग्राम पंचायत को हस्तांतरण के अवसर पर 16 फरवरी 2026 को जल अर्पण दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांववासियों को शुद्ध एवं पर्याप्त पेयजल के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए विविध जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को स्थायी रूप से शुद्ध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल आपूर्ति योजनाओं का कार्य तेजी से प्रगति पर है। जिन गांवों में योजनाओं का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां योजनाओं को ग्राम पंचायत को हस्तांतरित किया जा रहा है। इसी क्रम में नागझरी (ता. विक्रमगड) और पेठ (ता. दहानू) गांवों में जल आपूर्ति योजना का हस्तांतरण किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पानी व स्वच्छता) अतुल पारसकर तथा ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता सचिन सुरुम के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामसभा में जल आपूर्ति योजना की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा योजना के दीर्घकालीन संचालन और रखरखाव के लिए ग्रामीणों से सहभागिता और जिम्मेदारी की शपथ दिलाई गई। गांव में स्कूली छात्रों, ग्राम पंचायत पदाधिकारियों और ग्रामवासियों की प्रभातफेरी निकाली गई, जल प्रतिज्ञा दिलाई गई और स्वच्छ जल परीक्षण (एफ.टी.के. किट) का प्रात्यक्षिक प्रदर्शन कर शुद्ध पेयजल के महत्व पर मार्गदर्शन किया गया। पेठ गांव में आयोजित कार्यक्रम में जिला ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यकारी अभियंता सचिन सुरुम, कनिष्ठ अभियंता रविराज अभंगराव, सरपंच लहू सातवी, उपसरपंच विनोद केदार, ग्राम जल आपूर्ति समिति के सदस्य, ग्राम पंचायत अधिकारी सखाराम सातवी, समूह समन्वयक दिनेश पाडवी, महिला बचत समूह सदस्य, शिक्षक, आंगनवाड़ी सेविका, आशा कार्यकर्ता, ग्रामीण व विद्यार्थी उपस्थित थे। वहीं नागझरी गांव में ग्रामदान मंडल के अध्यक्ष रोहिदास डगला, उपाध्यक्ष नितीन डगला, ग्राम पंचायत सदस्य, जिला जल व स्वच्छता मिशन के आईईसी सलाहकार आत्माराम विशे, मानव विकास सलाहकार संजय ठाकरे, समूह समन्वयक यतीन घरत, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अभियंता अक्षय सांबरे, ग्राम पंचायत अधिकारी किरण भोईर, आंगनवाड़ी सेविका, आशा सेविका, ग्रामीण व विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

विरार के डीलक्स रिफ्रेश बॉडी केयर यूनिसेक्स स्पा सेंटर से जिस्मफरोशी के लिए लॉजिंग में लड़किया सप्लाई करने वाली एक महिला एजेंट गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। आज मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत सूचना मिली थी भायंदर ईस्ट के नवघर पुलिस स्टेशन की हद में भायंदर ईस्ट, फाटक रोड, सिल्वर सूट्स होटल के पास एक महिला एजेंट ग्राहकों को लडकियो के फोटो भेजकर ग्राहकों को जिस्मफरोशी के लिए लडकिया सप्लाई करने आने वाली हैं महिला अत्याचार प्रतिबंधक/ विशेष बालकांचे संरक्षण व काळजी कक्ष मि. भा. व. वि की सीनीयर ढक शीतल मुंढे मैडम (क्राइम ब्रांच)और उनकी टीम ने सिल्वर सूट्स होटल के पास बोगस ग्राहक भेजकर छापा मारकर एक महिला एजेंट को हिरासत में लेकर 2 पीडीत लडकियो को देहव्यापार के दलदल से रेस्क्यू किया।

इस छापेमारी में पुलिस को पता चला कि रेस्क्यू की गई वो 2 पीड़ीत लडकिया डी लक्स रिफ्रेश फैमिली बॉडी केयर और यूनिसेक्स सैलून और स्पा सेंटर विरार में काम करती थी , व गिरफ्तार महिला एजेंट ने डीलक्स स्पा सेंटर से ग्राहक कों देहव्यापार के लिए लडकीयां मंगाई थी। वांटेड महिला आरोपी के उपर पहले भी अनार्ला पुलिस ठाणे, विरार वेस्ट में एक पीटा कायदा के तहत केस दाखिल है। उस पीटा केस में कोर्ट से बेल मिलने के बाद वापस जिस्मफरोशी का कारोबार चालू कर दिया है।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि गिरफ़्तार व वांटेड महिला एजेंट ने वेश्यावृत्ति का गैरकानूनी नेटवर्क कैसे तैयार किया। प्रारंभिक जांच से संकेत मिल रहे हैं कि यह मामला मसाज के नाम पर वेश्याव्यवसाय के बड़े गिरोह से जुड़ा हो सकता है। गिरफ्तार महिला एजेंट और वांटेड महिला एजेंट ने डी लक्स रिफ्रेश बॉडी केयर स्पा सेंटर विरार वेस्ट से ग्राहकों के लिए लड़कियां वेश्या व्यवसाय के लिए मंगाई थी, डी लक्स रिफ्रेश बॉडी केयर यूनिसेक्स सैलून और स्पा सेंटर के चालक, और मालिक की भी पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। सीनीयर पीआई शीतल मुंढे मैडम और उनकी टीम की मानव तस्करी और देहव्यापार जैसे घिनौने अपराधों के खिलाफ सख्त संदेश देती है। सीनीयर पीआई शीतल मुंढे और उनकी टीम ने गिरफ्तार एक महिला एजेंट और एक वांटेड महीला एजेंट के उपर इठर 143 (3), 3(5) ओर पीटा एक्ट कायदा 4,5 के तहत कानूनी कारवाई करके दो पीडीत लडकीयो को महिला सुधारगृह में भेजने की कानूनी प्रकिया कर रही हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जीजा ने सालों पर लगाया गमछे से गला दबाकर हत्या करने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के मरहट गांव नहर के पास बहनोई को अगवा कर मारने पीटने और मोबाइल रुपया छीनने के बाद सालो ने गमछा से गला दबाकर हत्या करने का किया गया प्रयास। उसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

पड़ोसी जनपद आजमगढ़ दीदारगंज थाना क्षेत्र के मदार बख्श मोलनापुर गांव निवासी किशन यादव उम्र लगभग 31 वर्ष पुत्र राजेंद्र यादव ने आरोप लगाते हुए बताया कि मैं ट्रेलर वाहन चलाता हूं। इसलिए कई दिन बाहर रहना पड़ता है। अभी 4 दिन पहले पत्नी शशि कला ने दीदारगंज थाने में दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया था। इसी संबंध में थाना के एक दरोगा ने थाने पर बुलाया था।रविवार को ट्रेलर लेकर मिजार्पुर आया और सोमवार को दीदारगंज थाने पर पहुंचने के लिए जा रहा था। आरोप है कि मेरे साले शशिकांत और ऋषिकांत को थाने पहुंचने की मेरे जानकारी किसी माध्यम से मिल गई और मुझे खेतासराय से अगवा कर खुटहन जाने वाले मार्ग की तरफ से ले जाकर खुटहन थाना क्षेत्र के मरहट नहर के पास ले जाकर दोनों ने मेरा बैग छीन कर मोबाइल और ?3000 निकालने के बाद बैग को फेंक दिया और मुझे मारने पीटने के बाद गमछे से गला दबाकर हत्या करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान स्थानीय एक व्यक्ति के देख लेने से दोनों मोटरसाइकिल से फरार हो गये। जानकारी होने पर मेरे मौसा मौसी के साथ स्थानीय लोगों द्वारा सीएचसी खुटहन पहुंचा कर भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के पश्चात हालत गंभीर देखकर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।खबर पाकर परिजन भी जिला अस्पताल जौनपुर पहुंच गए। किशन के पिता राजेंद्र यादव ने आरोप लगाते हुए बताया कि मेरे पुत्र का विवाह शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव निवासी राजकुमार की बेटी शशि कला से लगभग 8 वर्ष पूर्व हुई थी मेरे पुत्र के दो बच्चों में एक लड़का और एक लड़की है। मेरी बहू किशन को अलग लेकर रहना चाहती है। इसीलिए वह दीदारगंज थाने में प्रार्थना पत्र लेकर जहेज उत्पीड़न का आरोप लगा रही है।

थानेदारों को घटना के संबंध में किसी भी तरह की नहीं है जानकारी

इस मामले को लेकर दीदारगंज थाना में तैनात मामले को देख रहे उपनिरीक्षक राम बहादुर यादव से दूरभाष पर संपर्क कर पूछा गया तो उन्होंने बताया कि। किशन यादव की पत्नी शशि कला ने प्रार्थना पत्र दिया है उससे मुकदमा दर्ज करने के लिए कहा गया। लेकिन उसका कहना था कि मेरा मायका शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में है इसलिए मैं चाहती हूं मेरा मुकदमा शाहगंज में लिखा जाए। किशन यादव के थाने पर बुलाए जाने के संबंध में बताएं कि मैं छुट्टी पर था हो सकता है थानाध्यक्ष ने उसे बुलाया हो और किसी घटना की मुझे जानकारी नहीं है। हालांकि पीड़ित किशन यादव के यह बताने पर कि मुझे खेतासराय से अगवा कर खुटहन थाना क्षेत्र के मरहट गांव नहर के पास ले जाकर साले ऋषिकांत और शशिकांत के द्वारा घटना को अंजाम दिया गया के संबंध में खुटहन थाना प्रभारी राम आसरे और खेतासराय थाना प्रभारी प्रदीप सिंह से घटना के संबंध में मोबाइल फोन से पूछा गया तो दोनों लोगों ने ऐसी किसी घटना की जानकारी होने से इनकार किया है। अब सवाल यहां पर यह उठता है कि क्या पीड़ित किशन यादव अपने साथ हुई घटना के बारे में सच बोल रहा है या उसकी पत्नी शशि कला द्वारा दीदारगंज थाने में दहेज उत्पीड़न का प्रार्थना पर देखकर आरोप लगाने के बाद किसी साजिश के तहत घटना का रूप देकर कोई कहानी गढ़ी जा रही है। अब तो यह मामले की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि मामले में सच्चाई क्या है।

पुलिस टीम की स्कार्पियो पेड़ से टकराई, दारोगा की मौत

वरिष्ठ उप निरीक्षक व महिला दारोगा समेत पांच पुलिसकर्मी घायल, अस्पताल में भर्ती

दबिश देकर लौटते समय सुबह साढ़े छह बजे हुआ हादसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गोरखपुर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पुलिस विभाग को बड़ा झटका लगा। कुशीनगर से दबिश देकर लौट रही गोरखपुर पुलिस टीम की स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में रामगढ़ताल थाने में तैनात दारोगा संतोष कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि वरिष्ठ उप निरीक्षक और एक महिला दारोगा समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम जालसाजी के एक मामले में कार्रवाई करने कुशीनगर जिले के खड्डा क्षेत्र गई थी। कार्रवाई के बाद टीम मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे गोरखपुर लौट रही थी। इसी दौरान श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के कतरारी चौकी के पास पहुंचते ही वाहन चालक का नियंत्रण गाड़ी से हट गया और स्कार्पियो सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दारोगा संतोष कुमार ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

डॉ.रागिनी ने उठाया इंटर कॉलेज में विज्ञान शिक्षा का मुद्दा

इंटर में कहाँ विज्ञान की पढ़ाई होती है विभाग को नहीं पता

विधानसभा में विधायक ने पूछा सवाल, कब भरे जाएंगे प्रधानाचार्य के रिक्त पद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश लखनऊ विधानसभा में आज समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ.रागिनी सोनकर ने माध्यमिक

शिक्षा की बदहाली पर सरकार को कटघरे में ला खड़ा किया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि प्रदेश के 90 प्रतिशत राजकीय और अनुदानित इंटर कॉलेजों में विज्ञान शिक्षा का नामोनिशान नहीं न प्रयोगशाला, न विशेषज्ञ शिक्षक! सरकार तो 'विज्ञान यात्रा' का डंका पीट रही है, लेकिन इंटर कॉलेजों के विभाग को भी नहीं पता कि विज्ञान की पढ़ाई आखिर कहाँ होती है।

डॉ.सोनकर ने सदन में काव्य के माध्यम से सत्ता पर तंज कसाः श्री रामचन्द्र जी कह गए सिया से, ऐसा कलयुग आएगा, मेरे नाम से सत्ता पाकर सबको आंख दिखाएगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के लाखों छात्र-छात्राएं प्रतियोगी परीक्षाओं व तकनीकी शिक्षा के इस दौर में विज्ञान से महरूम हैं। सरकार की 'डिजिटल इंडिया' की बड़ी-बड़ी बातें हवा में उड़ रही हैं, जबकि विद्यालयों में न लैब है, न शिक्षकझसिर्फ खोखले वादे। यह असमानता सामाजिक-आर्थिक खाई को और चौड़ा कर रही है।

एक और गंभीर मुद्दा उठाते हुए डॉ.सोनकर ने कहा कि अनेक इंटर कॉलेजों में प्रधानाचार्य पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं। नियमित प्राचार्य के बिना प्रशासन ठप, अनुशासन ढीला और शैक्षिक गुणवत्ता धूल चाट रही है। सरकार कब तक ये रिक्तियां भरने की 'प्रक्रिया' में अटकी रहेगी? क्या अब 'प्राचार्य रहित कॉलेज' ही नया मॉडल है।

संविधान के अनुच्छेद 51ए का हवाला देते हुए उन्होंने जोर दिया कि भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद, ज्ञानार्जन और सुधार की भावना विकसित करना। अंधविश्वास के बजाय तर्कसंगत सोच को बढ़ावा देने का संकल्प तो लें, लेकिन पहले इंटर कॉलेजों में विज्ञान सुविधाएं तो जुटाएं।

डॉ.सोनकर ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तत्काल कदम नहीं उठाए, तो उत्तर प्रदेश की नई पीढ़ी अवसरों से वंचित होकर पिछड़ जाएगी। प्रदेश को विकास की राह पर ले जाना है तो विज्ञान शिक्षा को प्राथमिकता दें।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार किशोर घायल, हालत गंभीर

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत बड़ागांव पुलिया के समीप सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक किशोर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त घायल की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। सरपतहा थाना क्षेत्र के सराय मोहिद्दीनपुर बाजार निवासी 16 वर्षीय आर्यन पुत्र बलराम अग्रहरि मंगलवार को बाइक से कही जा रहें थे कि बड़ागांव बाजार के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने परिजनों को घटना की सूचना दे इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त घायल किशोर की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

न्यायालय की गरिमा पर हमला बर्दाश्त नहीं: अमित तिवारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी जैसी जघन्य एवं कायरतापूर्ण घटना पर अमित तिवारी एडवोकेट, प्रत्याशी कार्यकारिणी सदस्य, दीवानी अधिवक्ता संघ जौनपुर ने तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए इसे न्याय व्यवस्था पर सीधा हमला बताया है। उन्होंने कहा कि न्यायालय लोकतंत्र की आत्मा और संविधान की मर्यादा का केंद्र है। ऐसे पावन स्थल को लक्ष्य बनाकर भय और अराजकता फैलाने का प्रयास अत्यंत निंदनीय है। न्यायालय की गरिमा, अधिवक्ताओं की सुरक्षा और वादकारियों के विश्वास की रक्षा करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। अमित तिवारी एडवोकेट ने प्रशासन से मांग की है कि न्यायालय परिसर में अभेद्य एवं बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू की जाए। साथ ही दोषियों की शीघ्र पहचान कर कठोरतम विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी असामाजिक तत्व न्याय के मंदिर की ओर आंख उठाने का दुस्साहस न कर सके।

न्यायालय तहसीलदार परिसर में नवनिर्मित स्वागत कक्ष का हुआ उदघाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा न्यायालय तहसीलदार परिसर में नवनिर्मित स्वागत कक्ष का उदघाटन किया गया। स्वागत कक्ष बन जाने से वादकारियों सहित अन्य को सहूलियत मिलेगी। जिलाधिकारी के पूर्व निर्देश के क्रम में तहसील सदर के परिसर में शासन द्वारा

संचालित राजस्व विभाग के कार्यों, अंश निर्धारण संबंधी जानकारी, कृषक दुर्घटना, दैवीय आपदा, मिशन शक्ति सहित विभिन्न योजनाओं की पात्रता एवं लाभ संबंधी सूचनाएं प्रदर्शित की गई हैं जिसे देखकर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जानकारी प्रदर्शित होने से आने वाले वादकारियों एवं किसानों को आवश्यक जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी मौके पर उपस्थित अधिवक्ताओं और आमजन के द्वारा भी इस पहल की सराहना की गई। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, नायब तहसीलदार सदर, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिंचाई विभाग में शोक सभा आयोजित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सिंचाई कालोनी सिगरा में स्थित नलकूप मण्डल, वाराणसी में कार्यरत आशीष कुमार, प्रधान सहायक का आकस्मिक निधन दिनांक-15.02.2026 को हो गया। पुण्य आत्मा की शान्ति हेतु नलकूप मण्डल, वाराणसी के प्रांगण में आज सोमवार दिनांक-16.02.2026 को दोपहर 01:00 बजे शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दुःख के अवसर पर अधीक्षण अभियंता अजय कुमार सिंह लिफ्ट सिंचाई मण्डल वाराणसी, संजय कुमार प्रधान, मनोज कुमार गुप्ता, धनंजय चौबे, निरंजन कुमार, रविन्द्र, त्रिभुवन, आलोक कुमार श्रीवास्तव, रामानंद, सचिन, पंकज वर्मा, मनीष, विकास, अजय कुमार, कनीज फातिमा, संजय कुमार पाण्डेय, साधना श्रीवास्तव, विमला, रीना चौरसिया,आरिफ अंसारी, विनोद शुक्ल, दीनानाथ, कुलदीप कुमार मौर्या,रत्नेश प्रसाद, कमलेश कुमार सिंह, जनार्दन, रमाकांत, असलम, सुनील कुमार आदि के साथ सिंचाई विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित होकर मृत आत्मा की शान्ति प्रार्थना हेतु उपस्थित रहें।

वन विभाग के पूर्व निरीक्षक को पूर्व ऊर्जा मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र के सवायन गांव निवासी एवं वन विभाग के पूर्व निरीक्षक संतोष सिंह की तेरहवीं संस्कार में शनिवार की

देर शाम तक श्रद्धांजलि देने के लिए सिलसिला जारी रहा। इस अवसर पर सपा सरकार में रहे पूर्व ऊर्जा एवं नियोजन राज्य मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व ऊर्जा मंत्री ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ढांढस बंधाया। आत्मा की शांति व परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। पूर्व निरीक्षक के पैतृक निवास पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों का तांता लगा रहा। मौके पर शिक्षक संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह, डॉ संदीप सिंह, तारा प्रणय तिवारी, सहित क्षेत्र के अन्य लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

जौनपुर में दीवानी न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी के बाद मचा हड़कंप

प्रशासन ने परिसर कराया खाली, पुलिस ने शुरू की सघन जांच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर स्थित दीवानी न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से मंगलवार को अफरातफरी मच गई। यह धमकी जिला जज की आधिकारिक वेबसाइट पर ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एहतियातन पूरे न्यायालय परिसर को तत्काल खाली करा लिया गया। सघन तलाशी अभियान चलाया। न्यायालय परिसर के प्रत्येक कक्ष, बार कक्ष तथा आसपास के क्षेत्रों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान संदिग्ध वस्तु मिलने की कोई पुष्टि नहीं हुई, हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर जांच देर तक जारी रही।

बताया जा रहा है कि पिछले दो दिनों से प्रदेश के विभिन्न जिलों में न्यायालयों को इसी तरह की धमकियां मिल रही हैं, जिससे अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है। अधिवक्ताओं ने इसे न्याय व्यवस्था को अस्थिर करने की साजिश बताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सोशल मीडिया पर छात्र की गुहार देख मदद को आगे आए समाजसेवी अतुल तिवारी, दिलाया न्याय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। टीडी कॉलेज के एक छात्र आदित्य कुमार का सोशल मीडिया पर वायरल दर्द भरा वीडियो देख अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल उत्तर प्रदेश के प्रदेश संगठन मंत्री समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी ने तत्काल मदद पहुँचाई। छात्र का आरोप था कि जौनपुर शहर में जहाँ वह किराए पर रहता है, वहाँ पड़ोसी दंपत्ति उसे धमका रहे हैं और मकान मालिक ने उसके कमरे में ताला लगा दिया है, और इस समय छात्र का कॉलेज में प्रैक्टिकल एग्जाम भी शुरू हो गया है जिससे छात्र को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, इसलिए मामले का संज्ञान लेते हुए अतुल तिवारी पीड़ित छात्र को लेकर स्थानीय थाने पहुँचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में छात्र के कमरे का ताला खुलवाया गया। छात्र की सुरक्षा को देखते हुए उसे दूसरी जगह कमरा दिलाया गया। समाजसेवी अतुल तिवारी ने छात्र को उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे सदैव जरूरतमंदों और छात्रों की सुरक्षा के लिए खड़े रहेंगे। छात्र आदित्य ने इस त्वरित मदद के लिए समाजसेवी अतुल तिवारी का आभार व्यक्त किया।

एक माह से बंद शाहगंज पोस्ट ऑफिस का आधार केंद्र, हजारों लोग परेशान

विशाल सोनी

छात्रवृत्ति, पेंशन और बैंकिंग कार्य प्रभावित; दूर-दराज केंद्रों के चक्कर लगाने को मजबूर नागरिक

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के क्लेक्टरगंज स्थित डाकघर परिसर में संचालित आधार नामांकन एवं अपडेट केंद्र पिछले लगभग एक माह से बंद पड़ा है। केंद्र के बंद होने

से क्षेत्र के हजारों नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आधार से जुड़े जरूरी कार्य–नाम व पता संशोधन, मोबाइल नंबर लिंक, बायोमेट्रिक अपडेट एवं नया आधार बनवाना–पूरी तरह ठप हो गए हैं।

आधार सेवा केंद्र बंद होने का सबसे अधिक असर विद्यार्थियों, बुजुर्गों और श्रमिक वर्ग पर पड़ रहा है। छात्रवृत्ति आवेदन, वृद्धावस्था पेंशन, बैंक खातों का केवाईसी सत्यापन तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार अपडेट अनिवार्य है। ऐसे में लोगों को अन्य शहरों के केंद्रों की ओर रुख करना पड़ रहा है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि हो रही है।

जिम्मेदार से पूछने पर उन्होंने बताया की एक माह से तकनीकी खराबी के कारण आधार सम्बंदि कार्य बंद है। उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। जल्द समस्या का निदान का अस्वासन मिला है।

-मनोज कुमार यादव
उप डाक पाल पोस्ट आफिस शाहगंज।

प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में नागरिक आधार कार्य के लिए डाकघर पहुंचते हैं, लेकिन केंद्र बंद होने के कारण उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

किन्नरों के दो गुटों में खूनी संघर्ष, सीमा विवाद बना कारण

एक घंटे तक चला बवाल, डायल 112 भी रही बेबस, दुकानदार दुकान बंद कर मौके से भागे

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के रानी की सराय थाना क्षेत्र स्थित सहीदवारा बाजार सोमवार देर शाम उस समय रणक्षेत्र में तब्दील हो गया, जब किन्नरों के दो गुटों के बीच सीमा क्षेत्र को लेकर जमकर मारपीट हो गई। करीब एक घंटे तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। डंडे, ईंट और पत्थर चलने से लोगों में दहशत फैल गई और दुकानदारों ने आनन-फानन में अपनी दुकानें बंद कर दीं। जानकारी के मुताबिक, सिधारी थाना क्षेत्र के चंडेश्वर मोहल्ले में रहने वाले किन्नरों के पांच सदस्य पिछले कुछ समय से सहीदवारा बाजार में किराये के मकान में रह रहे थे। ये लोग बाजार में घूम-घूमकर नेग और सहयोग राशि मांगते थे। सोमवार को देर शाम रानीकीसराय कस्बे के रुदरी मोड़ पर रहने वाले दूसरे गुट को इसकी भनक लगी। इसे अपने पारंपरिक क्षेत्र में दखल के रूप में देखते हुए वे सीधे सहीदवारा बाजार पहुंच गए। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों तरफ से लाठी-डंडे, ईंट और पत्थर चलने लगे। राहगीर जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। बाजार में करीब एक घंटे तक हंगामा होता रहा। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन दोनों गुट एक-दूसरे पर इतने आक्रोशित थे कि पुलिसकर्मी भी हालात संभालने में असहाय नजर आए। कुछ देर बाद दोनों गुट अपने-अपने वाहनों में सवार होकर मौके से निकल गए, जिससे स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। हालांकि, मामला यहीं शांत नहीं हुआ। मंगलवार को एक गुट आधा दर्जन वाहनों के साथ दोबारा बाजार पहुंचा और दुकानों से पैसा वसूली कर वापस लौट गया। इस दौरान बाजार में फिर तनाव की स्थिति बनी रही। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से थाने में तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय लोगों में अब भी आशंका का माहौल बना हुआ है।

उप जिलाधिकारी सदर एवं तहसीलदार के विभिन्न पटलों का डीएम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा न्यायालय उप जिलाधिकारी सदर एवं तहसीलदार के विभिन्न पटलों

का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 05 वर्ष, 03 वर्ष एवं 01 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

तहसील अंतर्गत जारी होने वाले ई-परवाने (धारा 24, धारा 38(2) एवं अन्य धाराओं) तथा निर्विवाद वरासत के अंतर्गत जारी किए जाने वाले आदेशों की समीक्षा की गई। न्यायालय तहसीलदार एवं खतौनी कक्ष में अभिलेखों के रख-रखाव का भी निरीक्षण किया गया। पोर्टल पर प्राप्त ई-परवाना आदेशों एवं विभिन्न धाराओं के अंतर्गत पारित आदेशों की प्रगति की जानकारी ली गई। इस दौरान कई प्रकरण लंबित पाए गए, जिस पर असंतोष व्यक्त करते हुए तहसीलदार सदर को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गए तथा सभी लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर अवगत कराने को कहा गया।

जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी सदर एवं तहसीलदार को शासनादेशों के समुचित रख-रखाव एवं अभिलेखों की सुव्यवस्थित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे आमजन को आवश्यक सूचनाएं सरलता से प्राप्त हो सकें।

रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय सदर के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा लेखपालों के जीपीएफ और एनपीएस पुस्तिका का अवलोकन किया गया और अद्यतन करने के निर्देश दिया गया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, नायब तहसीलदार सदर, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने जिलाधिकारी के माध्यम मुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन

जमीनी विवाद के कारण आये दिन हो रही मारपीट, हत्या जैसी घटनाओं पर लगाया जाए अंकुश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव / जिला अध्यक्ष विनय जायसवाल ने जिला प्रशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सौंपा पत्र। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए विनय जायसवाल ने मांग किया आजकल आए-दिन जमीन से संबंधित विवाद तेजी से बढ़ रहे हैं । जमीनी विवाद के कारण मारपीट, हत्या जैसी घटनाएं हर दिन उत्तर प्रदेश के हर जिले में घट रही है। प्रदेश सचिव ने कहाँ कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलाधिकारी निर्देशित किया जाए किसी भी प्रकार की जमीन से संबंधित समस्याएं फरियादियों के द्वारा किसी भी ऑफिस में आती है तो जल्द से जल्द उस समस्या का निस्तारण प्रशासन के द्वारा किया जाए। जिससे लोगों का विश्वास प्रशासन के ऊपर बना रहे। ज्ञापन देने वालों में राज जायसवाल, सजीवन राम,मोतीलाल सोनी,विजय यादव, डॉ. गामा प्रसाद,अरुण सोनी,चंद्रेश जायसवाल,मनीष सिंह,राजेश यादव, संदीप यादव, गौरव सिंह, मोहम्मद ताज, इत्यादि लोग अधिक संख्या में मौजूद रहे।

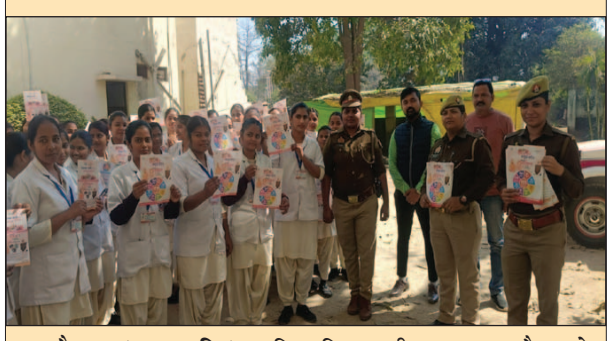

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शक्ति मोबाइल टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में 17 फरवरी 2026 को शक्ति मोबाइल टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं एवं मुद्दों पर समझ बनाना व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पॉक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गयी। महिला हिंसा से संबंधित अन्य शिकायतों के निवारण हेतु ,वीमेन पावर लाइन (1090) पुलिस आपातकालीन सेवा (112) सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076) चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098) वन स्टाप सेन्टर (181) साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102) एम्बुलेन्स सेवा (108) जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरूक किया गया। शक्ति मोबाइल टीम द्वारा भ्रमण कर महिलाओं/छात्राओं को जागरुक किया जा रहा है।

युवती को अश्लील विडियो भेजने वाले आरोपित के खिलाफ केस दर्ज

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की मोबाइल पर फेंक आईडी बनाकर कर युवक के द्वारा भेजे जा रहे अश्लील एसएमएस, बीडीओ और आपत्ति जनक फोटो के मामले में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। युवती ने दी गई तहरीर में आरोप लगाया था कि बेसहूपुर गांव निवासी आकाश गुप्ता के द्वारा इंस्टाग्राम ग्राम पर फेंक आईडी बनाकर उसके मोबाइल पर अश्लील विडियो फोटो भेजे जा रहे हैं। जिससे उसे शर्मसार होना पड़ रहा है। आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

एंजल वन एएमसी ने लॉन्च किया एंजल वन सिल्वर ईटीएफ और एंजल वन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ

मुंबई। एंजल वन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एंजल वन एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने एंजल वन सिल्वर ईटीएफ और एंजल वन सिल्वर ईटीएफ एफओएफ लॉन्च करने की घोषणा की है। नई फंड पेशकश (एनएफओ) 09 फरवरी 2026 से सब्सक्रिप्शन (अभिदान) के लिए खुल गई है और ईटीएफ के लिए यह 19 फरवरी 2026 को बंद होगी, जबकि एफओएफ 23 फरवरी 2026 तक खुला रहेगा। दोनों योजनाएं घरेलू कीमत के आधार पर चांदी में निवेश का अवसर प्रदान करती हैं, जिससे निवेशकों को कीमत में पारदर्शिता हासिल होती है और निवेश करना आसानी होता है। ईटीएफ निवेशकों को एनएसई के जरिये निरंतर निवेश करने में मदद मिलेगी, जबकि एफओएफ बगैर डीमैट खाते के भी निवेश करने में मदद करेगा। चांदी कीमती धातु और आभूषण आदि के उपयोग के अलावा औद्योगिक वस्तु के रूप में उल्लेखनीय भूमिका के कारण इसे प्रमुखता मिल रही है। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डेटा केंद्र जैसे क्षेत्रों में चांदी की मांग में बढ़ोतरी, साथ ही आपूर्ति की कमी, निवेशकों के बीच बढ़ती रुचि से इसका महत्त्व बढ़ रहा है। एएमएफआई के आंकड़े इसी रुझान को दशार्ते हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक भारत में सिल्वर ईटीएफ एयूएम (प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति) दिसंबर 2025 में 72000 करोड़ को पार कर गया। 31 जनवरी 2026 को समाप्त 10 साल की अवधि में, चांदी (रुपये में) ने 25.8% के सीएजीआर की वृद्धि दर्ज की, जो पोर्टफोलियो विविधीकरण और मुद्रास्फीति-हेजिंग लाभ के लिए इसकी क्षमता की पुष्टि करता है। एंजेल वन एएमसी के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी हेमेन भाटिया ने लॉन्च के बारे में कहा, चांदी अब सिर्फ कीमती धातु भर नहीं रही, बल्कि यह आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परिसंपत्ति के रूप में उभर रही है। नए दौर के उद्योगों और महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी में इसकी बढ़ती भूमिका लगातार ढांचागत मांग पैदा कर रही है, जिससे चांदी आकर्षक दीर्घकालिक निवेश बन गई है।

19 फरवरी से ज्ञान भवन में वार्षिक महिला उद्यमी फागुनोत्सव 2026 का आयोजन

पटना (उत्तरशक्ति)। गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में बिहार महिला उद्योग संघ द्वारा आयोजित महिला उद्यमी फागुनोत्सव 2026 का आयोजन 19 फरवरी से 23 फरवरी तक किया जा रहा है। ज्ञान भवन के वातानुकूलित बहु - उद्देषीय हॉल में लगाया जाने वाला यह मेला महिला उद्यमियों द्वारा लगाया जाने वाला बिहार का सबसे बड़ा मेला है। मेला में महिला उद्यमियों के साथ नाबार्ड, डब्ल्यूसीडीसी, उद्योग विभाग बिहार सरकार, सिडबी एवं बीआडा तथा अन्य सरकारी व गैर सरकारी एजेंसियां शामिल हो रही है। स्थानीय बीआईए सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में मेले की जानकारी देते हुए बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने बताया कि भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 225 से अधिक स्टॉल वाले इस मेले का उद्घाटन बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल एवं खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह के कर - कमलों द्वारा किया जायेगा। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर निदेशक उद्योग विभाग, बिहार सरकार मुकुल कुमार, सीजीएम नाबार्ड गौतम कुमार, सीईओ एआईसी डॉ. विजय प्रकाश, केविआईसी डायरेक्टर एच एम मेवाती, एमएसएमई डीएफओ पटना के सहायक निदेशक श्वेता उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस मेले में भारत के विभिन्न राज्यों एवं बिहार की महिला उद्यमियों के द्वारा स्टॉल्स लगाए जा रहे हैं। वहीं संघ की उपाध्यक्ष इंदु अग्रवाल, डॉ. पूर्णिमा रॉय व किरण रंजन ने कहा कि बिहार महिला उद्योग संघ पिछले 32 वर्षो से महिला उद्यमियों के लिए मेले के माध्यम से उन्हें अपने सामान को बेचने के लिए एक मंच प्रदान करता आ रहा है जहाँ वो अपने द्वारा तैयार किये गए सामानों को बेचती हैं। इस मेले का उद्देश्य महिला उद्यमियों को सरकारी स्कीम से अवगत करवाना, मेले में हर दिन नई - नई जानकारी प्रदान करवाना, नेटवर्किंग के लिए विभिन्न सरकारी - गैर सरकारी एजेंसियों से कार्यशाला व सेमिनार आदि के माध्यम से मिलवाना है। वहीं अपने संबोधन में बिहार महिला उद्योग संघ की संयुक्त सचिव अंकिता ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए बताया कि इस मेले में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली उद्यमियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

मेरठ में नकली घरेलू सामान बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ के थाना ब्रह्मपुरी और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नकली घरेलू सामान बनाने और बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत की गई। इस दौरान पुलिस ने आरोपी इंतजार (30 वर्ष), निवासी बरनावा, बागपत को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बिना किसी गुणवत्ता मानक के विभिन्न नामचीन कंपनियों के लोगो लगाकर मिक्सर, प्रेशर कुकर और गैस स्टोव जैसे घरेलू उत्पाद तैयार करता था। इन नकली उत्पादों को बाजार में बेचकर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा था। 192 नकली मिक्सर, 48 प्रेशर कुकर, 560 गैस स्टोव, 210 मिक्सर जार, 194 कुकर ढक्कन, सैकड़ों नकली लेबल और पैकेजिंग सामग्री, ड्रिल मशीन, कंप्रेशर, खराद मशीन, हाइड्रोलिक मशीन समेत कई उपकरण शामिल हैं। बरामद सामान की कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज, गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश इस मामले में थाना ब्रह्मपुरी में इस्ट-2023 की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

महाकाल सेवा संस्था ने दिवा में मनाया भव्य महाशिवरात्रि पर्व, उमड़ा आस्था का सैलाब

दिवा (ठाणे)। सेवा ही संकल्प के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए महाकाल सेवा संस्था एवं उत्तर भारतीय मंडल द्वारा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य पूजा एवं विशाल महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया और महाप्रसाद ग्रहण किया। पूरा वातावरण भक्तिमय भजनों और हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा। दिग्गज विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। साक्षी ताई रमाकांत मड़वी, एडवोकेट विपिन दुबे, रमेश जैसवाल, अजय सिंह, कमलेश गुप्ता, बी. के. चौरसिया और गौरी शंकर पटवा सहित कई प्रमुख हस्तियों ने कार्यक्रम में शिरकत कर

संस्था के सेवा कार्यों की सराहना की। अतिथियों ने आयोजन की भव्यता और सुव्यवस्थित प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। संस्था का नेतृत्व और समर्पणसंस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद साह एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष उदयराज सिंह के कुशल नेतृत्व में इस विशाल आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। महासचिव महेन्द्र कनौजिया, सचिव राहुल विश्वकर्मा और ईश्वर गुप्ता ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला। संस्थापक सदस्य पिंटू गुप्ता, आलोक सिंह, रंजीत पाण्डेय, विशाल तिवारी, सौरव कुमावत, सोनू राजभर और हरिओम कुशवाहा की मेहनत ने कार्यक्रम को भव्य स्वरूप प्रदान किया। वहीं संरक्षक मंडल के सदस्य मनोज गुप्ता, बजरंगबली शर्मा, बी.के. चौरसिया, परमिंदर पाण्डेय, रमेश प्रजापति, सोनू गुप्ता, रमेश जैसवाल तथा स्वामी केटर्स के सहयोग से आयोजन को नई ऊँचाइयाँ मिलीं। सामाजिक जुड़ाव की अपील कार्यक्रम के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों से संस्था के साथ जुड़कर सेवा कार्यों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद साह ने कहा,

महाकाल सेवा संस्था केवल एक संगठन नहीं, बल्कि नर-सेवा को नारायण-सेवा मानने वाला एक परिवार है। हम चाहते हैं कि समाज का हर व्यक्ति इस सेवा यज्ञ से जुड़े और मिलकर जरूरतमंदों की सहायता करे। स्वयंसेवकों का अतुलनीय योगदान

भंडारे की व्यवस्था में सभी कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ भाव से सेवा दी। स्वच्छता, सुरक्षा और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया, जिसकी स्थानीय प्रशासन एवं नागरिकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा भावना का भी प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर गया।

व्हर्लपूल ने 3डी कूल प्रो प्लस एसी रेंज लॉन्च की

पटना (उत्तरशक्ति)। घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपनी नई 3डी कूल प्रो प्लस एसी 2026 रेंज लॉन्च की है। यह रेंज 6वीं सेंस तकनीक से संचालित है, जो केवल एक बटन दबाने पर सहज और व्यक्तिगत ठंडक का अनुभव प्रदान करती है। भारतीय गर्मियों की तीव्रता और अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई यह नई रेंज अत्यधिक गर्मी की परिस्थितियों में भी तेज, शक्तिशाली और समान ठंडक प्रदान करने के लिए विशेष रूप से विकसित की गई है। इसके साथ ही, यह व्यक्तिगत आराम, वायु शुद्धिकरण और ऊर्जा दक्षता के बीच संतुलन बनाए रखती है। इस अवसर पर, व्हर्लपूल ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट झ्र मार्केटिंग, नकुल तिवारी ने कहा 3डी कूल प्रो प्लस रेंज के माध्यम से हमने इंटेलिजेंट टेक्नोलॉजी, उन्नत एयरफ्लो डिजाइन और ऊर्जा दक्षता का समन्वय किया है, ताकि अलग-अलग आकार के कमरों में साथ ही अत्यधिक तापमान जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी श्रेष्ठ और समान आराम सुनिश्चित किया जा सके।

जांच में आरोप निराधार, पूर्व विधायक ने कार्रवाई रोकने की उठाई मांग

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक हाजी अब्दुल समद अंसारी ने जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी वाराणसी को पत्र लिखकर एक प्रकरण में की गई जांच के आधार पर आगे किसी भी प्रकार की कार्रवाई न करने का आग्रह किया है। पूर्व विधायक ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि कुछ दिन पूर्व भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक एवं मंत्री द्वारा मामले की जांच की मांग की गई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर प्रसारित तथ्यों के आधार पर सहायक निर्वाचन अधिकारी (शहर उत्तरी) द्वारा जांच कराई गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जांच रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को निराधार एवं तथ्यों से परे पाया गया है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले। हाजी अब्दुल समद अंसारी ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि जब जांच में आरोप असत्य पाए गए हैं तो इस प्रकरण में अनावश्यक रूप से आगे कार्रवाई जारी न रखी जाए। उन्होंने कहा कि बेवजह की कार्रवाई से क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो सकता है। पूर्व विधायक ने प्रशासन से संयम बरतते हुए शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम रहे।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की 2025-2026 की चुनाव प्रक्रिया शुरू

-सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की साधारण सभा की बैठक ,अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें आगामी 2025-26 की नयी कार्यकारिणी हेतु विचार विमर्श किया गया। अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा इस वर्ष सत्र 2025 - 26 की नई कार्यकारिणी के चयन हेतु कल 56 मतदाता आजीवन सदस्य एवं 490 वार्षिक सदस्य कुल मिलाकर 546 सदस्य नई कार्यकारिणी का चयन करेंगे। हमारे कार्यकाल में कार्यकारी के सभी पदाधिकारी सदस्यों का सहयोग एवं साथ देने के लिए साधुवाद । एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने बताया कि आगामी प्रबंध समिति का चुनाव 22 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगा! इसके लिए एल्डर कमेटी का पांच सदस्यीय कमेटी में श्रीनाथ सिंह एडवोकेट मुश्ताक अली एडवोकेट निर्लेंद्र कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट रमेश चंद्र सिंह एडवोकेट वास छोटेलाल गौतम एडवोकेट को रखा गया है उसके बाद चुनाव अधिकारी विस्तृत कार्यक्रम जारी करेंगे ।संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर रणजीत सिंह,श्याम बिहारी यादव, राजेश यादव, वीरेंद्र राव, चंद्रप्रकाश सिंह, टीटू गुप्ता,कामता प्रसाद यादव, रमेशचंद्र सिंह, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा,राजेंद्र प्रसाद यादव, विमल प्रसाद सिंह, नवीन पाण्डेय, शैलेंद्र कुमार, सुरेश सिंह,दसरथ यादव, रामगुल्ली आदि लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय पूरा हेमू में मासिक शिक्षा संकुल बैठक का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बक्सा क्षेत्र के अंतर्गत शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और आगामी शैक्षणिक सत्र की तैयारियों को लेकर आज प्राथमिक विद्यालय पूरा हेमू के परिसर में मासिक संकुल बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में संकुल के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षा विभाग के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान छात्रों के सीखने के स्तर और पिछले माह की शैक्षणिक उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यालय की दीवारों पर अंकित बैठक के दौरान अनुशासन और नैतिक शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते नजर आए। नवाचारों पर चर्चा भी हुआ उपस्थित वक्ताओं ने कक्षा कक्ष में शिक्षण को अधिक प्रभावी और रोचक बनाने के लिए नए टीएलएम और डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुख्य अतिथि ने शिक्षकों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण हेतु उचित दिशा-निर्देश दिए इस आयोजन में प्रधानाध्यापक राजेश सिंह, विजय यादव, चतुर्भुज यादव, विनय यादव, उषा यादव ,परवीन बानो, पुष्पावती, गरिमा यादव, अनिल कुमार, श्री प्रकाश , पुष्पा पाल आदि अध्यापिका-अध्यापक उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से लगी आग में तीन रिहायशी मड़हे जलकर राख, भारी नुकसान

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के धमार्पुर स्थित निषाद बस्ती में मंगलवार को अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग ने तीन परिवारों की पूरी गृहस्थी उजाड़ दी। दोपहर के समय अचानक मड़हे से उठी आग की लपटों ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के अन्य मड़हों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में सर्वाधिक नुकसान सीता निषाद का हुआ है, जिनके मड़हे में रखे कपड़े, कीमती जेवरात, बिस्तर, अनाज और कुछ नकद रुपये जलकर राख हो गए। वहीं, कैलाश निषाद का भी बिस्तर, चावल, गेहूं और पशुओं के लिए रखा भारी मात्रा में भूसा जलकर खाक हो गया। फौजदार निषाद की गृहस्थी का भी हजारों रुपये का सामान अग्निदेव की भेंट चढ़ गया।

आग की लपटें देख मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और निजी संसाधनों से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलने पर जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुँचती, तब तक ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था, लेकिन तब तक पीड़ितों का सब कुछ जलकर स्वाहा हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुँचकर हुए नुकसान का जायजा लिया और क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तैयार की है, ताकि पीड़ित परिवारों को उचित सरकारी सहायता प्रदान की जा सके। खुले आसमान के नीचे आए इन गरीब परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने कोंकण रेलवे की ट्रेनो में देरी व यात्रीगण की समस्याओं पर अधिकारियों के साथ की बैठक

मुंबई। उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने कोंकण रेलवे की ट्रेनों में लगातार हो रही देरी और यात्रियों को हो रही परेशानियों के मुद्दे पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की। पिछले पांच महीनों से मत्स्यगंधा एक्सप्रेस और मुंबईझ्रमंगलुरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस जैसी प्रमुख तटीय ट्रेनों की अनियमितता को लेकर यात्रियों में बढ़ते असंतोष के बाद यह पहल की गई। गोपाल शेट्टी के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद शेट्टी, अरुण शेट्टी पनियूर, विरार शंकर शेट्टी, अश्वित संजीव शेट्टी तथा राजित सुवर्णा सहित कई गणमान्य नागरिक शामिल थे। बैठक में ट्रेनों की देरी, अपर्याप्त व्यवस्थाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए तत्काल समाधान की मांग की गई। यह मुद्दा टीम युवा ब्रिगेडव्हाट्सएप समूह में उठाया गया था, जहां कोंकण रेलवे की ट्रेनों के अनियमित संचालन तथा वरिष्ठ नागरिकों, मरीजों और छात्रों को हो रही कठिनाइयों पर चिंता व्यक्त की गई थी। इसके बाद भाजपा नेताओं सच्चिदानंद शेट्टी और अरुण शेट्टी पनियूर ने इस विषय को गोपाल शेट्टी

के संज्ञान में लाया।

प्रतिनिधिमंडल ने कोंकण रेलवे के निदेशक (वाणिज्य एवं संचालन) सुनील गुप्ता और मुख्य परिचालन अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा से मुलाकात कर स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों को बताया गया कि मुंबई और तटीय कर्नाटक के बीच यात्रा करने वाले हजारों यात्री इन ट्रेनों पर निर्भर हैं और लगातार देरी से उन्हें गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बैठक में हाल ही में ट्रेनों में सोने और नकदी की लूट की घटनाओं पर भी गंभीर चिंता जताई गई। साथ ही बांद्रा से वसई मार्ग होते हुए मंगलुरु जाने वाली ट्रेन सेवा के निलंबन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

कोंकण रेलवे के निदेशक सुनील गुप्ता ने आश्वासन दिया कि रत्नागिरी और मडगांव डिवीजनों में चल रहे रात्रिकालीन ट्रैक रखरखाव कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएंगे, जिसके बाद ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और लूट की घटनाओं को रेलवे सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाकर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि अगले एक सप्ताह के भीतर मत्स्यगंधा एक्सप्रेस को नियमित करने के प्रयास तेज किए जाएंगे तथा बंद की गई बांद्रा-वसई-मंगलुरु सेवा को पुनः शुरू करने के लिए पश्चिम रेलवे के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी।

किआ इंडिया दे रहा है फीफा वर्ल्ड कप 2026 का गोल्डन चांस

मुंबई। फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर दुनियाभर में बढ़ते उत्साह के बीच किआ इंडिया फुटबॉल के इस सबसे बड़े महोत्सव को भारतीय ग्राहकों के और करीब ला रहा है। किआ वॉक विद चैंपियंस और किआ ड्राइव टू फीफा वर्ल्ड कप 2026 जैसी दो विशेष पहलों के माध्यम से कंपनी अपने ग्राहकों के लिए इस भव्य वैश्विक मंच तक पहुँचने का अवसर उपलब्ध करा रही है। साल 2007 से फीफा के ग्लोबल ऑफिशियल पार्टनर और प्रमुख टूनार्मेंट्स के आधिकारिक मोबिलिटी पार्टनर के रूप में जुड़ी किआ अब अपनी इस समृद्ध खेल विरासत को भारत के ग्राहकों तक पहुँचा रही है। इस पहल के जरिए ग्राहकों को केवल इतिहास बनते देखने का ही नहीं, बल्कि उसका हिस्सा बनने का भी मौका मिल रहा है। इस अवसर पर किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट-सेल्स और मार्केटिंग, अतुल सूद ने कहा, फीफा के साथ किआ का संबंध लगभग दो दशकों पुराना है और हमें गर्व है कि हम इस विरासत को अपने भारतीय ग्राहकों के साथ साझा कर रहे हैं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 वैश्विक खेल जगत का सबसे बड़ा मंच है, और इन पहलों के माध्यम से हम अपने ग्राहकों को उस असाधारण अनुभव का हिस्सा बनने का अवसर दे रहे हैं। चाहे लाइव वर्ल्ड कप मैच देखना हो या अपने बच्चे को ऑफिशियल मैच बॉल कैरियर के रूप में मैदान पर उतरते देखना – ये सचमुच जीवन में एक बार मिलने वाले अनुभव हैं। किआ में हमारा उद्देश्य सिर्फ वाहन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ऐसे यादगार पल गढ़ना है जिन्हें हमारे ग्राहक और उनके परिवार हमेशा संजोकर रख सकें।

जीवन में एक बार मिलने वाले इस विशेष अवसर के तहत किआ इंडिया दो बच्चों (उम्र 10-14 वर्ष) को अमेरिका में आयोजित फीफा वर्ल्ड कप 2026 के एक ग्रुप स्टेज मैच में ऑफिशियल मैच बॉल कैरियर के रूप में मैदान पर उतरने का मौका देगा।

जो ग्राहक 10 मार्च 2026 के बीच कैरेंस क्लैविस (पेट्रोल/डीजल या इलेक्ट्रिक मॉडल) की बुकिंग कर पूरी खरीद प्रक्रिया पूर्ण करेंगे, वे किआ द्वारा साझा की गई आधिकारिक जानकारी के माध्यम से इस पहल में भाग ले सकेंगे। कैरेंस क्लैविस क्छएह्ल (पेट्रोल/डीजल) और कैरेंस क्लैविस ईवी श्रेणी से एक-एक विजेता का चयन स्वतंत्र थर्ड-पार्टी द्वारा ऑडिट किए गए लकी ड्रा के जरिए किया जाएगा। चयनित बच्चा अपने एक अभिभावक के साथ हजारों दर्शकों की मौजूदगी में विश्वस्तरीय फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ मैदान पर प्रवेश करेगा। किआ इंडिया यात्रा, वीजा और ठहरने सहित संपूर्ण व्यवस्था का जिम्मा उठाएगी, ताकि यह अनुभव उनके लिए सचमुच अविस्मरणीय बन सके। किआ वाहन स्वामित्व को फुटबॉल के सबसे बड़े वैश्विक मंच से जोड़ते हुए एक साधारण खरीद को सपनों के अनुभव में बदल रहा है। यह पहल देशभर के परिवारों के लिए गर्व और भावनाओं से भरा एक यादगार अवसर साबित होगी।

जमीनी विवाद को लेकर नाबालिग को मारा चाकू, हालत गंभीर

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछली शहर कोतवाली क्षेत्र के थलोई गांव में जमीनी विवाद को लेकर पड़ोसी ने नाबालिक लड़के को चाकू मार कर घायल कर दिया। चाकू लगने से घायल की हालत नाजुक बनी हुई है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि उक्त गांव निवासी हरिकेश तिवारी से पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति से जमीन का कुछ विवाद चल रहा था। उसी रंजिश को लेकर मंगलवार शाम लगभग 6 बजे हरिकेश तिवारी का पुत्र श्याम कुमार तिवारी उम्र लगभग 17 वर्ष अपने साथी ऋषभ कुमार यादव के साथ जा रहा था। घात लगाकर बैठे हमलावरों ने नाबालिक को पड़कर उसके ऊपर चाकुओं से वार करना शुरू कर दिया। एक चाकू के गले में लगा जो आर पार हो गया और दूसरा चाकू उसके सीने में घुसेड दिया। चाकू लगते ही श्याम तिवारी जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। यहां नजारा देख कर उसका साथ रहा लड़का वहां से फरार हो गया। घायल की चीख-पुकार सुनकर परिवार के लोग दौड़े लेकिन हमलावर घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। परिजनों द्वारा घायल को उपचार के लिए मछली शहर स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया जहां गंभीर चोट होने के कारण चिकित्सक ने बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। जिला अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहा घायल को जिला अस्पताल ने भी वाराणसी बीएचयू के लिए रेफर कर दिया है।

लोकल ट्रेनों की भीड़ और ट्रैफिक जाम से बचने के लिए शिफ्टों में बांटा जाना चाहिए मुंबई का काम: भवानजी

मुंबई। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी ने कहा है कि मुंबई में लोकल ट्रेनों में होने वाली भीड़ और सड़कों पर बढ़ते ट्रैफिक जाम की समस्या अब विकराल रूप ले चुकी है। यदि इस भीड़ को नियंत्रित करना है तो ह्लदूध, दवा की दुकानें, होटल और इमरजेंसी सेवाओं को छोड़करह्व बाकी सभी कामकाज को अलग-अलग शिफ्टों में विभाजित किया जाना चाहिए।

भवानजी ने सुझाव दिया कि सरकार को मुंबई के सरकारी और अर्द्धसरकारी कार्यालयों, स्कूल-कॉलेजों, न्यायालयों तथा कारखानों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक निर्धारित करना चाहिए। वहीं निजी कार्यालयों, दुकानों और मॉल का समय दोपहर 2:30 बजे से रात 10:00 बजे तक किया जाए। इसके अलावा भारी वाहनों की लोडिंग-अनलोडिंग तथा कुछ औद्योगिक इकाइयों को रात 9:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक संचालित करने की व्यवस्था की जाए। उनका मानना है कि इससे भीड़ का दबाव अलग-अलग समय में बंट जाएगा और सड़कों तथा लोकल ट्रेनों दोनों में भीड़ कम होगी। उल्लेखनीय है कि मुंबई उपनगरीय रेलवे दुनिया की सबसे व्यस्त परिवहन प्रणालियों में से एक है। यहां प्रतिदिन लगभग 75 से 80 लाख यात्री सफर करते हैं। पीक आवर्स (सुबह 8 से 11 बजे और शाम 5 से 9 बजे के बीच) के दौरान ट्रेनें अपनी निर्धारित क्षमता से दोगुने से भी अधिक यात्रियों को ढोती हैं। कई बार प्रति वर्ग मीटर 14 से 16 यात्रियों तक की भीड़ दर्ज की जाती है। साल 2017 में सेंट्रल क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के शोधकताओं द्वारा किए गए एक गुणात्मक अध्ययन में पाया गया कि मुंबई की लोकल ट्रेनें विश्व में सबसे अधिक यात्री भार के साथ संचालित होती हैं। अध्ययन में यह भी उल्लेख किया गया कि यात्रियों को चढ़ने-उतरने के दौरान अत्यधिक धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ता है। हाल के वर्षों में ट्रेनों की संख्या और क्षमता बढ़ाई गई है, फिर भी भीड़भाड़ के कारण विवाद और कभी-कभी हिंसक घटनाएं सामने आती रहती हैं। भवानजी ने सुझाव दिया कि वर्तमान लोकल ट्रेनों के डिब्बों में संशोधन कर कुछ सीटों को कम करके अतिरिक्त दरवाजे लगाए जाएं, ताकि यात्रियों के चढ़ने-उतरने की प्रक्रिया सुगम हो सके। उनका कहना है कि लगातार शारीरिक संपर्क, हिलने-डुलने में कठिनाई और व्यक्तिगत स्थान की कमी से यात्रियों में चिड़चिड़ापन और तनाव बढ़ता है, विशेषकर दरवाजों और प्लेटफॉर्म के किनारों पर। शहरी परिवहन अध्ययनों के अनुसार संकरी सीढ़ियां, फुट-ओवर ब्रिज और अपर्याप्त निकास मार्ग भीड़ के तनाव को और बढ़ाते हैं। प्रभादेवी-परेल, बांद्रा, अंधेरी, ठाणे, बोरीवली, विरार और कुर्ला जैसे व्यस्त जंक्शनों पर चौड़े प्लेटफॉर्म से संकरी सीढ़ियों की ओर बढ़ती भीड़ के कारण अफरा-तफरी और धक्का-मुक्की की स्थिति बनती है। भवानजी की रिसर्च टीम का कहना है कि अत्यधिक भीड़ में व्यक्तिगत स्थान से जुड़े सामाजिक मानदंड टूट जाते हैं। जब शरीर लगातार एक-दूसरे के संपर्क में आते हैं तो टकराव से बचना मुश्किल हो जाता है और आक्रोश तेजी से बढ़ता है।

भारत1डॉटएआई की ह्युमेनिटी फर्स्ट एआई सिटी के निर्माण की योजना

मुंबई। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में भारत1डॉटएआई ने आज बैंगलुरू में पहले ह्युमेनिटी फर्स्ट एआई सिटी के निर्माण के दृष्टिकोण का अनावरण किया- सिटी-स्केल की इस रीसर्च एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर इनीशिएटिव को वास्तविक दुनिया में आधुनिक फाउन्डेशनल एजेंटिक और फिजिकल एआई सिस्टम्स के लिए डिजाइन किया गया है। उमाकान्त सोनी, सह-संस्थापक एवं सीईओ, भारत1डॉटएआई ने कहा, हम एआई रेवोल्युशन के अहम मोड़ पर हैं। इंटेलिजेंस लैब से निकलकर समाज के ताने-बाने में आ रही है। वास्तविक दुनिया के जटिल माहौल में उन्हें वैलिडेट किए बिना सिस्टम का पैमाना बढ़ाना एक बड़ा जोखिम होगा, जिसे सहन नहीं किया सकता। भारत1डॉटएआई मानवता के लिए वास्तविक दुनिया में बेसिक इंटेलिजेंस बनाने की प्रतिबद्धता है, जो सुरक्षित, सत्यापित एवं मानवीय मूल्यों के अनुरूप हो। बी1एआई सुपरपार्क एक शहरी jagru पैमाने का फ्रेमवर्क बनाने की दिशा में पहला कदम है जहाँ एजेंटिक और फिजिकल एआई न सिर्फ क्षमता बल्कि जिम्मेदारी के साथ विकसित होगी। इस विजन के पहले चरण को बी1एआई सुपरपार्क से आकार मिलेगा। बैंगलुरू के सरजापुरा में 50,000 वर्गफीट में फैला एआई रीसर्च एवं इनोवेशन कैंपस, एआई मॉडल प्रशिक्षण, फाईन ट्यूनिंग और इंटरफेस के लिए साल के अंत तक तैयार किया जाएगा, जिसमें एआई स्टार्टअप्स, युनिवर्सिटियों, एआई रीसर्च लैब्स और बड़ी देशी-विदेशी कंपनियों से 10000 से अधिक एआई रीसचर्स एवं एआई इनोवेटर्स के लिए प्लग एंड प्ले स्पेस होगा। पहले चरण में नियन्त्रित एवं वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में स्ट्रैस-टेस्टिंग युनिवर्सल बेसिक इंटेलीजेन्स फ्रेमवर्क के विकास तथा उच्च गुणवत्ता के संरचित मल्टीमॉडल डेटा के उपयोग से ओपन-सिटी-स्केल वर्ल्ड मॉडल्स के निर्माण पर फोकस किया जाएगा। साथ ही एजेंटिक एवं फिजिकल एआई सिस्टम्स को बड़े पैमाने पर लागू करने से पहले सशक्त वैलिडेशन लेयर्स बनाई जाएंगी। यह एजेंटिक सिस्टम को आधार जैसे डिजिटाइज्ड ह्यूमन आइडेंटिटी सिस्टम के साथ जोड़ने की भी कोशिश करेगा।

जायडस ने लॉन्च किया PEPAIR™, भारत का पहला किफायती OPEP उपकरण

मुंबई। जायडस लाइफ साइंस लिमिटेड ने श्वसन देखभाल के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए PEPAIR™ लॉन्च किया है, जो भारत का पहला किफायती Oscillating Positive Expiratory Pressure (OPEP) ओपीईपी उपकरण बताया जा रहा है। यह दवा-रहित, हैंडहेल्ड डिवाइस COPD, अस्थमा और ब्रोंकिएक्टेसिस से पीड़ित मरीजों में कंजेशन कम करने और म्यूकस क्लियरेंस में मदद के लिए विकसित किया गया है। कंपनी के अनुसार, भारत में 90 लाख से अधिक लोग इन दीर्घकालिक श्वसन रोगों से प्रभावित हैं, जहां क्रॉनिक म्यूकस हाइपरसिक्रेशन एक आम समस्या है। PEPAIR™ 3-रेज़िस्टेंस सिस्टम के साथ आता है, जो श्वास छोड़ते समय दबाव और कंपन उत्पन्न कर वायुमार्ग को खोलने और म्यूकस ढीला करने में सहायता करता है। यह उत्पाद भारतीय मेडिकल डिवाइस कंपनी

एयरोडेल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौते के तहत लॉन्च किया गया है। जायडस ने इसे मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण के तहत 990 रुपये प्रति यूनिट की कीमत पर उपलब्ध कराया है, ताकि अधिक से अधिक मरीज OPEP-आधारित एयरवे क्लियरेंस थेरेपी तक पहुंच बना सकें। लॉन्च के अवसर पर डॉ. शार्विल पटेल, मैनेजिंग डायरेक्टर, जायडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य दैनिक देखभाल को अधिक सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा कि PEPAIR™ के माध्यम से श्वसन रोगों से जूझ रहे मरीजों को एक प्रभावी, दवा-रहित समाधान उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, स्थापित क्लिनिकल गाइडलाइंस में OPEP-आधारित एयरवे क्लियरेंस की सिफारिश की जाती है, लेकिन किफायती विकल्पों की कमी के कारण बड़ी संख्या में मरीज इससे वंचित रहे हैं। कंपनी का दावा है कि PEPAIR™ इस पहुंच अंतर को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में बढ़ते वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन से जुड़े एलर्जन, तीव्र शहरीकरण और फेफड़ों के रोगों के देर से निदान के कारण श्वसन बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे परिदृश्य में किफायती और सुलभ उपचार विकल्पों की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। जायडस भारत की प्रमुख श्वसन कंपनियों में से एक है और ओरल तथा इनहेलेशन थेरेपी में लंबा अनुभव रखती है।

राजस्थानी महिला मंडल द्वारा जागृत सम्मेलन का आयोजन

मुंबई। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था राजस्थानी महिला मंडल द्वारा 28 फरवरी को अपराह्न 3 बजे से मरीन लाइन स्थित पाटकर हॉल में टूटते परिवार, बिखरते रिश्ते पर आधारित जागृति सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन की अध्यक्षता श्रीमती राजश्री बिड़ला करेंगी जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद श्रीमती पूनम महाजन उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती उज्ज्वला चक्रदेव शामिल होंगी। देश के सुप्रसिद्ध विचारक एवं वक्ता शेखर सेन प्रमुख वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करेंगे। प्रख्यात मनोवैज्ञानिक सुश्री अंबरीन प्रधान पारिवारिक एवं सामाजिक संबंधों पर प्रकाश डालेंगी। सम्मेलन में विशेष आकर्षण का केंद्र प्रख्यात सैंड आर्टिस्ट राहुल आर्य द्वारा बनाई गई कलाकृतियां होंगी। इस अवसर पर दमयंती पित्ती को महिला प्रतिभा सम्मान प्रदान किया जाएगा। प्रख्यात समाजसेवी तथा वरिष्ठ साहित्यकार डॉ मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि संसाधनों और भौतिकता की दौड़ में मनुष्य अकेला पड़ता जा रहा है। परिवार टूट रहा है और रिश्ते बिखर रहे हैं। ऐसे में इस तरह के कार्यक्रमों से लोगों को प्रेरणा मिलती है।

भारतीय जनता पार्टी का वसई-विरार में विरोध प्रदर्शन, हर्षवर्धन सपकाल के बयान पर विवाद

वसई-विरार। वसई-विरार में आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। भाजपा कार्यकताओं ने वसई कांग्रेस भवन के सामने प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि सपकाल ने छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से कर उनका अपमान किया है। यह विरोध प्रदर्शन वसई के परनाका क्षेत्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, विधायक राजन नाईक और विधायक स्नेहा दुबे के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन में जिला महासचिव मनोज बारोट, पूर्व जिला अध्यक्ष

महेंद्र पाटिल, जिला उपाध्यक्ष कपिल म्हात्रे, भाजपा समूह नेता अशोक शेलके, नगरसेवक मनोज पाटिल, अभय कक्कड़, जितेंद्र पाटिल, महेश सरवणकर, गणेश पाटिल, निम्मी दोशी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विनीत तिवारी, युवा महासचिव राजन सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष मैथ्यू कोलासो, केतन गांधी, शहर अध्यक्ष गीतांजलि दरीवाला, सूर्यकांत वाघमारे और सतीश सिंह सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा टीपू सुल्तान का महिमामंडन किया जा रहा है और यह कदम कथित रूप से वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है। नगरसेवक मनोज पाटिल ने मांग की कि हर्षवर्धन सपकाल अपने बयान के लिए महाराष्ट्र की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। जिला महासचिव मनोज बारोट ने भी सपकाल के बयान की कड़ी निंदा करते हुए इसे छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान बताया। इस मुद्दे पर कांग्रेस की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आजमगढ़ : फंदे से लटकी मिली किशोरी तो पेड़ से लटका मिला युवक का शव

इलाके में सनसनी, कक्षा आठ के छात्रा की मां ने देखा मार्मिक दृश्य, पुलिस जांच में जुटी

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद में मंगलवार की सुबह दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में फंदे से लटके शव मिलने की घटनाओं से सनसनी फैल गई। एक ओर जहां मेंहनगर क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोरी का शव कमरे के भीतर लटका मिला, वहीं महराजगंज क्षेत्र में 23 वर्षीय युवक का शव गांव के सिवान में पेड़ से झूलता मिला। दोनों घटनाओं की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मेंहनगर थाना क्षेत्र के गुरैथा गांव निवासी 15 वर्षीय अनुशिका पासवान क्षेत्र के एक विद्यालय में कक्षा आठ की छात्रा थी। सोमवार रात वह प्रतिदिन की तरह परिवार के साथ भोजन करने के बाद अपने छोटे भाई अंश के साथ अलग कमरे में सोने चली गई थी। मंगलवार सुबह जब मां प्रीति उसे जगाने के लिए कमरे में पहुंचीं तो दरवाजा खोलते ही वह स्तब्ध रह गईं। अनुशिका चुल्ले से गमछे के सहारे फंदे से लटकी हुई थी। यह दृश्य देखकर मां बेहोश हो गईं। शोर सुनकर परिजन पहुंचे और उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ी थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। दूसरी घटना महराजगंज थाना क्षेत्र के चक शिव गुलाम बढ़ई का पूरा गांव की है। 23 वर्षीय राजू विश्वकर्मा गांव में घूम-घूमकर फर्नीचर बनाने का कार्य करते थे। सोमवार शाम काम से लौटने के बाद वह भोजन कर अपने कमरे में सोने चले गए थे। मंगलवार सुबह जब पिता सतिराम उन्हें जगाने पहुंचे तो वह बिस्तर पर नहीं मिले। खोजबीन के दौरान पिता गांव के सिवान की ओर गए, जहां रास्ते में शीशम के पेड़ से लुंगी के सहारे राजू का शव लटकता मिला। यह देख उनके होश उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। सूचना पर ग्रामीणों के साथ पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाया। दोनों घटनाओं के बाद संबंधित थाना पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है। इधर, दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है और पूरे क्षेत्र में शोक व चर्चा का माहौल बना हुआ है।

यादव समाज की एकजुटता के आगे नतमस्तक हुआ सरकारी महकमा

50 लाख का दिया आर्थिक सहयोग

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुलुंड में मेट्रो लाइन के पिलर का हिस्सा गिरने से हुई दुखद दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे के बाद घायलों के उपचार से लेकर मृतक की अंतिम क्रिया तक उत्तर यादव युवा संघ के पदाधिकारी अनिल यादव ने मौके पर पहुंचकर अथक परिश्रम करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

दुर्घटना में मृतक जौनपुर जनपद के मड़ियाहूं क्षेत्र के निवासी थे और वर्तमान में ग्राम प्रधान के पद पर कार्यरत थे। वे किसी पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मुंबई आए हुए थे। दुर्भाग्यवश शादी कार्यक्रम के दौरान वे मुंबई घूमने निकले, जहां यह हृदयविदारक घटना घटित हो गई और उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी।

इस घटना के बाद यादव समाज के शशिकांत यादव, आर.डी. यादव, आर.एन. यादव, दीनानाथ यादव सहित समाज के अनेक लोगों ने प्रारंभिक समय से लेकर अंतिम क्रिया तक तन, मन और धन से सहयोग किया। शुरूआती दौर में मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के मामले में प्रशासनिक अमले का रवैया उदासीन प्रतीत हो रहा था, जिससे यह आशंका उत्पन्न हो रही थी कि कहीं मामले को दबाने का प्रयास न किया जाए। किंतु यादव समाज के समाजसेवियों ने एकजुट होकर प्रशासन के समक्ष कड़ा रुख अपनाया और मृतक परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग पर अडिग रहे। उनकी दृढ़ता और संघर्ष के परिणामस्वरूप प्रशासन को झुकना पड़ा और मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह निर्णय समाज के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

नगर निगम में विकास एजेंडे को दरकिनार कर आम सभा में नाम परिवर्तन की राजनीति को लेकर विवाद होने की संभावना है

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर नगर निगम की कल होने वाली आम बैठक शहर के बुनियादी मुद्दों के बजाय राजनीतिक विवाद का केंद्र बनती दिख रही है। आम बैठक के एजेंडे में शामिल 16वें नंबर का मुद्दा, टीपू सुल्तान चौक का नामकरण, इस समय शहर में चर्चा और विवाद का मुख्य विषय बना हुआ है। गौरतलब है कि भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता, जिनके नाम पर 10 साल पहले यह प्रस्ताव पारित हुआ था, अब खुद भाजपा द्वारा ही उखाड़ फेंके जा रहे हैं, जिस पर राजनीतिक गलियारों में हैरानी जताई जा रही है। आखिर विवाद क्या है। 3 फरवरी 2017 को हुई आम सभा में, जब भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता प्रस्तावक थे, वर्षा भानुशाली समर्थक थीं और गीता जैन अध्यक्ष थीं, मीरा रोड स्थित चौराहे का नाम मैसूर के राजा टीपू सुल्तान के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया गया था। हालांकि, अब 10 साल बाद, शिवसेना प्रवक्ता संतोष गोले ने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी भाजपा इसी नाम को लेकर विवाद खड़ा करके शहर के माहौल को दूषित करने की कोशिश कर रही है। इस संबंध में आज शिवसेना मीरा भायंदर जिला प्रमुख राजू भोइर, शिवसेना मीरा भायंदर प्रवक्ता संतोष गोले और शिवसैनिक मनोज राणे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कई सवाल उठाए। इस मुद्दे पर बोलते हुए संतोष गोले ने कहा, शहर के लोगों ने पार्षदों को सड़कों, पानी और कचरे की समस्याओं को हल करने के लिए चुना है। हालांकि, विकास पर चर्चा करने के बजाय, महासभा अपना समय धार्मिक पहचान के मुद्दों को उठाने में बिता रही है। 10 साल पहले खुद को दिए गए नाम को बदलने की कोशिश आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए शहर को धार्मिक रूप से विभाजित करने का एक प्रयास मात्र है। विकास के मुद्दों की अनदेखी। मीरा भायंदर शहर में यातायात जाम, स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से संबंधित कई मुद्दे लंबित हैं। जनता की अपेक्षित विकास योजनाओं और उन्हें मिलने वाले न्याय पर चर्चा आवश्यक है, लेकिन इस बात को लेकर नागरिकों में आक्रोश है कि विधानसभा में ऐसे विवादास्पद मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है। 2017 में मंजूरी देने वाले लोग अब इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? क्या शहर के विकास से ज्यादा जरूरी नाम बदलने का मुद्दा है? क्या प्रशासन ने इस संभावना पर विचार किया है कि ऐसे संवेदनशील मुद्दे शहर में धार्मिक सद्भाव को खतरे में डाल सकते हैं? पूरा शहर इस बात पर नजर रखे हुए है कि क्या सत्तारूढ़ दल कल की आम सभा में अपने रुख पर अडिग रहेगा या जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विकास के मुद्दों की ओर रुख करेगा। 2017 में विधायक नरेंद्र मेहता इस प्रस्ताव के प्रस्तावक थे और उन्होंने ही इसे महासभा में पेश किया था, जबकि वर्षा भानुशाली ने इसका समर्थन किया था। भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने इस मुद्दे को एजेंडा में शामिल करने से पहले ही नाम बदलने का निर्णय क्यों लिया? महासभा में इस पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता है।

पथरी के ऑपरेशन के पांचवें दिन मरीज की मौत, परिजनों का अस्पताल में हंगामा

समझौते के बाद शांत हुआ मामला

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के मुबारकपुर स्थित सबा अस्पताल में पथरी के ऑपरेशन के पांच दिन बाद एक मरीज की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो उठे और अस्पताल परिसर में रोने-चिल्लाने लगे, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बाद में अस्पताल प्रबंधन और परिजनों के बीच बातचीत के बाद मामला शांत हुआ। मेंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बसिला निवासी 37 वर्षीय अरविंद सोनकर पथरी की बीमारी से ग्रसित थे। उन्हें 13 फरवरी (शुक्रवार) को मुबारकपुर के सबा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद हालत सामान्य बताकर उन्हें घर भेज दिया गया। घर पर दवा चल रही थी, इसी दौरान सोमवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें दोबारा सबा अस्पताल लेकर पहुंचे और भर्ती कराया। हालत में सुधार न होने पर चिकित्सक ने मंगलवार भोर करीब दो बजे उन्हें हायर सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर वाराणसी जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मौत से आहत परिजन शव को वापस सबा अस्पताल लेकर पहुंचे और परिसर में विरोध जताने लगे। सूचना पर अस्पताल संचालक डॉ. शमीम अहमद ने परिजनों से वार्ता की। काफी देर तक मान-मनौव्वल और बातचीत के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई। मृतक अरविंद सोनकर ठेला लगाकर फल बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में दो पुत्रियां और एक पुत्र हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

श्री चैतन्या अकेडमी ने जेईई मेन सेशन 1, 2026 में पटना से सिटी टॉपर दिए

पटना। श्री चैतन्या अकेडमी - इन्फिनिटी लर्न की पहल, जो बड़े पैमाने पर उत्तम परिणाम-आधारित शिक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है, ने गर्व से अपने पटना टेस्ट प्रेप सेंटर से जेईई मेन सेशन 1 के परिणामों की घोषणा की। इस सेंटर ने अमन आनंद और रिशु कुमार झा को पटना टॉपर घोषित किया, जिन्होंने प्रभावशाली 99.58 पर्सेंटाइल प्राप्त किए। अमन और रिशु, पटना में श्री चैतन्या अकेडमी में रेगुलर क्लासरूम के छात्र है। सफल छात्रों को बधाई देते हुए, सुषमा बोप्पना, सीईओ एंड डायरेक्टर ऑफ श्री चैतन्या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस और इन्फिनिटी लर्न की को-फाउंडर , ने कहा, श्री चैतन्या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस एवं को-फाउंडर, इन्फिनिटी लर्न, ने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। जेईई मेन 2026 सेशन 1 में अमन और रिशु जैसे छात्रों को शानदार प्रदर्शन करते देखना बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को सेशन 2 के लिए शुभकामनाएँ दीं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा दो नई कोलैटरल फ्री निर्यात ऋण योजना का शुभारंभ

मुंबई। निर्यात को बढ़ावा देने और भारत सरकार के विजन के अनुरूप 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा दो नई निर्यात ऋण कार्यशील पूंजी योजनाओं का शुभारंभ किया गया है। यूनियन निर्यात सुगम और यूनियन निर्यात प्रोत्साहन योजना।

यूनियन निर्यात सुगमश्र योजना के अंतर्गत सभी विनिमार्ता निर्यातकताओं को 80 करोड़ रुपये तक का निर्यात ऋण कार्यशील पूंजी प्रदान की जाती है, जिसमें गैर-एमएसएमई भी शामिल हैं (व्यापारी, मर्चेंट निर्यातकर्ता, रत्न, आभूषण तथा हीरे और लौह अयस्क निर्यातकताओं को छोड़कर). इस योजना के अंतर्गत, कोलैटरल सुरक्षा जमा करना आवश्यक नहीं है. यह योजना विशेषकर निर्यातकताओं को किफायती निर्यात वित्त का एक्सेस प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर प्रतिस्पर्धा कर सकें. यूनियन निर्यात प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत सभी सूक्ष्म और लघु निर्यातकताओं (व्यापारी, मर्चेंट निर्यातकर्ता, रत्न, आभूषण तथा हीरे और लौह अयस्क निर्यातकताओं सहित) को 10 करोड़ रुपये तक की कोलैटरल फ्री निर्यात ऋण कार्यशील पूंजी दी जाती है. इस योजना के अंतर्गत, कोलैटरल सुरक्षा या तृतीय पक्ष गारंटी की कोई आवश्यकता नहीं है. यह योजना सूक्ष्म और लघु निर्यातकताओं के लिए बनाई गई है, जिसके माध्यम से किफायती और बिना किसी गारंटी के निर्यात वित्त दिया जाता है. दोनों योजनाओं के अंतर्गत, रुपये और विदेशी मुद्रा में प्रतिस्पर्धात्मक ब्याज दर दिए जाते हैं, जो बाहरी बेंचमार्क से जुड़े होते हैं और सीधा डीलिंग एक्सेस के साथ बेहतर एक्सचेंज मार्जिन देते हैं. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सदैव विनिमार्ता - निर्यातकताओं और एमएसएमई को सपोर्ट करने में सबसे आगे रहा है, जिसमें कार्यशील पूंजी के दबाव को कम किया गया है और निर्यातकताओं और एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कई तरह की ऋण सुविधाएं दी गई हैं. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में निर्यात ऋण में लगभग 10% मार्केट शेयर के साथ दूसरे स्थान पर है.

माघ मेले की पूर्णाहुति के बाद काशी लौटे कुंभेश्वर महादेव

वाराणसी. सनातन आस्था की अखंड धारा को जोड़ने वाली दो दिव्य तीर्थ नगरीयों के आध्यात्मिक सेतु–भगवान कुंभेश्वर महादेव–माघ मेले की पूर्णाहुति के पश्चात पुनः श्री काशी विश्वनाथ धाम पधार चुके हैं। 45 दिवसीय पावन प्रवास के बाद प्रभु के काशी आगमन से भक्तिमय उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से संपूर्ण धाम गुंजायमान हो उठा। माघ मेले के दौरान भगवान कुंभेश्वर महादेव का विशेष प्रवास प्रयागराज में स्थापित परंपरा का जीवंत स्वरूप माना जाता है। सनातन मान्यताओं के अनुसार, वे स्वयं भगवान विश्वनाथ के ह्यकुंभ स्नान स्वरूपह्व हैं, जो प्रत्येक वर्ष माघ और कुंभ पर्व के दौरान प्रयाग क्षेत्र में विराजमान होकर कल्पवासियों एवं देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं। इस वर्ष भी 01 जनवरी 2026 को विधि-विधान से पूजन के पश्चात उन्हें विशेष सम्मान के साथ प्रयाग भेजा गया था।

आज प्रातः ब्रह्म बेला में पावन त्रिवेणी संगम के दिव्य तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महादेव का पवित्र जल से अभिषेक किया गया। श्रद्धा और भावनाओं से ओतप्रोत वातावरण में भक्तों ने प्रभु को भावभीनी विदाई दी। काशी पहुंचते ही मंदिर परिसर में पुष्प वर्षा, शंखनाद और वैदिक ऋचाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात शास्त्रोक्त विधि से विशेष पूजन, अभिषेक और आरती सम्पन्न कर भगवान को पुनः उनके निर्धारित स्थान पर प्रतिष्ठित किया गया।

अर्चक विद्वानों के अनुसार, शास्त्रों में वर्णित है कि कुंभ पर्व के दौरान पवित्र नदियों में स्नान से जो पुण्य फल प्राप्त होता है, वही श्रद्धा और भक्ति से भगवान कुंभेश्वर महादेव के दर्शन मात्र से प्राप्त हो जाता है। यह परंपरा काशी और प्रयाग की सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक निरंतरता का अनुपम प्रतीक मानी जाती है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अनुसार, अगले माघ मास तक भगवान कुंभेश्वर महादेव मंदिर परिसर के वायव्य कोण में स्थित श्री विघ्न विनाशक गणपति मंदिर में विराजमान रहेंगे, जहां श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन एवं पूजन कर सकेंगे।

काशी में प्रभु के पुनः आगमन ने श्रद्धालुओं को यह संदेश दिया है कि सनातन परंपराएं केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक एकात्मता की अमर धरोहर हैं।